CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-82
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार, 27 जून 2024

आज का विचार

जो पुस्तकें सबसे अधिक सोचने के लिए मजबूर करती हैं, वही तुम्हारी सबसे बड़ी सहायक हैं। - जवाहरलाल नेहरू

लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी

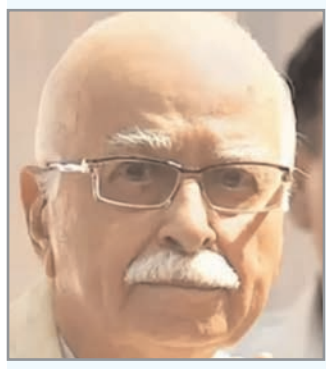

पूर्व उप प्रधानमंत्री एलके आडवाणी को बुधवार शाम को तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार के सूत्रों के मुताबिक, यह एक नियमित चेकअप हो सकता है। फिलहाल, उन्हें यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है। डॉक्टरों ने उनकी हालत को स्थिर बताया है।इस साल 31 मार्च को एलके आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके घर जाकर उन्हें यह सम्मान दिया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू भी मौजूद थे। यह सम्मान उनकी राजनीतिक और सामाजिक सेवा के लिए दिया गया था। एलके आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को कराची में हुआ था। वे 2002 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में उपप्रधानमंत्री रहे। इससे पहले, वे 1998 से 2004 तक एनडीए सरकार में गृह मंत्री भी रहे। आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 1987 में आडवाणी ने सोमनाथ से समस्तीपुर तक रथ यात्रा निकाली थी, जिसकी जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी को सौंपी गई थी। राम मंदिर आंदोलन के लिए उन्होंने 25 सितंबर 1990 को सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली। इस यात्रा ने राम मंदिर आंदोलन को देशभर में नई ऊर्जा दी। इस यात्रा के बाद भाजपा की देश भर में लोकप्रियता बढ़ गई। आडवाणी देश में हिंदुत्व का चेहरा बनकर उभरे।

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण

द्रौपदी मुर्मू बोलीं- इमरजेंसी संविधान पर सबसे बड़ा हमला विपक्ष का हंगामा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले वह राष्ट्रपति भवन से संसद भवन पहुंची। संसद भवन पहुंचने पर राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद वह लोकसभा पहुंची। जहां उन्होंने दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करना शुरू किया। राष्ट्रपति के लोकसभा पहुंचने के बाद संसद में राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद राष्ट्रपति ने अपना अभिभाषण शुरू किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज हमारे युवाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने का नया मौका मिल रहा है। मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड संख्या में पदक जीत रहे हैं। कुछ दिनों बाद पेरिस ओलंपिक भी शुरू होने जा रहे हैं। ओलंपिक में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ी पर हमे गर्व है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देती हूं। भारत ओलंपिक 36 खेलों की मेजबानी करने की भी तैयारी कर रहा है। 21वीं सदी के तीसरे दशक में ग्लोबल ऑर्डर एक नई शक्ल ले रहा है। मेरी सरकार के तहत आज भारत दुनिया को नया भरोसा दे रहा है। कोरोना और युद्ध जैसे हालात में यह साबित हुआ है कि भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहली बार पहुंचा है। आज पूरा विश्व हमें मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में सम्मानित कर रहा है। पेपर लीक करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी हाल ही में कुछ परीक्षाओं में हुई पेपर लीक की घटनाओं की जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए मेरी सरकार प्रतिबद्ध है। संसद ने इसके लिए कानून बनाया है। एक डिजीटल यूनिवर्सिटी बनाया जा रहा सरकार एक डिजीटल यूनिवर्सिटी बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसी प्रयास से भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप सेक्टर बन चुका है और ग्रुप डी और सी से इंटरव्यू खत्म कर दिया है। हमारी सेनाओं ने हथियार और उपकरण भारतीय कंपनियों से ही खरीदने का निर्णय लिया है। सैनिकों का ध्यान रखते हुए चार दशक बाद वन रैंक वन पेंशन योजना लागू हुई है।आज भारत एक लाख करोड़ से ज्यादा की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। फिलीपींस के साथ ब्रह्मोस का सौदा, डिफेंस सेक्टर में भारत की मजबूत पकड़ का नतीजा है। यूपी और तमिलनाडु में दो डिफेंस कॉरिडोर विकसित हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि GST ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। अप्रैल में GST कलेक्शन 2 लाख करोड़ का स्तर पार कर गया है, जिससे राज्यों का भी विकास हुआ है।देश में कई दशकों तक अस्थिर सरकारों के दौर में कई सरकारें रिफॉर्म नहीं कर पाईं। अब देश की जनता ने ऐसी सरकार को चुना है जो इन रिफॉर्म को कर रही है और ये सभी कसौटी पर खरे उतरे हैं। पहली बार देश में करोड़ों गरीबों के लिए शौचालय बनाए गए हैं। देश में 25 हजार जन औषधि सेंटर खोलने का काम चल रहा है और 70 से ज्यादा उम्र के लोगों को भी आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा साहब का मानना था कि किसी भी समाज की तरक्की निचले तबके की तरक्की पर निर्भर है। मेरी सरकार ने इन्हें विश्वास दिलाया है कि उनके लिए काम किया जा रहा है। 30 हजार महिलाओं को कृषि सखी बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेरी सरकार का प्रयास है कि वे अधिक से अधिक बचत कर सकें। पीएम सूर्य घर योजना में एक करोड़ परिवार रजिस्टर्ड हैं। प्राथमिकता किसानों, महिलाओं और गरीबों को दी जा रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार सर्विस सेक्टर को मजबूत कर रही है। हर सेक्टर में भारत लीडर बन रहा है, जिससे रोजगार के नए मौके बन रहे हैं। सरकार दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना पर काम कर रही है और किसानों को 3 लाख 20 हजार करोड़ की सम्मान निधि दे चुकी है। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए स्वस्थ्य स्पर्धा होनी चाहिए। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के संकल्प ने भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है।

उज्जैन के काल भैरव मंदिर का होगा कायाकल्प

सिंहस्थ-2028 से पहले स्मार्ट सिटी मद से होंगे 50 करोड़ के निर्माण, जानें महत्व

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सिंहस्थ से पहले मंदिरों का कायाकल्प किया जाना है। शहर से 6 किमी दूर स्थित कालभैरव मंदिर में स्मार्ट सिटी मद से 50 करोड़ के विकास कार्य कराए जाने हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिहाज से यहां कई सुविधाएं डेवलप की जानी है।

कालभैरव मंदिर के काल भैरव मंदिर में दर्शन व्यवस्था बेहतर कर फूड प्लाजा बनाया जाएगा। साथ ही शिप्रा नदी पर बने घाट का रिनोवेशन कर मंदिर दर्शन के लिए रूट डायवर्सन किया जाएगा। मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालु और वाहन चालक अभी एक ही सड़क से होकर आजे-जाते हैं। जिसे मंदिर के पास से डायवर्ट कर बायपास से जोड़ा जाएगा। ताकि, आम वाहन चालक वहां से जा सकें।

मास्टर प्लान के तहत मंदिर के कायकल्प में करीब 50 करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह सभी कार्य सिंहस्थ के पहले पूर्ण किए जाने हैं। स्मार्ट सिटी के अफसरों ने विकास कार्य का पूरा प्लान बना लिया है।

इनमें वाहन पार्किंग, बैरिकेडिंग सहित अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। ताकि, श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकें। मंदिर के सामने दर्शनार्थियों के लिए डोम बनाया जा रहा है। पुलिया निर्माण भी होना है। कालभैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने मंदिर का जायजा लिया। साथ ही प्रवेश, निर्गम मार्ग और वाहन पार्किंग की व्यवस्था देखी। कहा, प्रवेश मार्ग को समतल कर इसमें मैट बिछाई जाए। साथ ही वाटरप्रूफ टेंट लगाकर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए। मान्यता है कि बाबा काल भैरव के दर्शन मात्र से जीवन के सारे पाप मिट जाते हैं, लेकिन जो भक्त काल भैरव के दर्शन किए बिना महाकाल पूजा करते हैं, उनकी पूजा अधूरी मानी जाती है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि काल भैरव उज्जैन के सेनापति के रूप में पूजे जाते हैं। महाकाल दर्शन के शहर कोतवाल यानी भगवान काल भैरव से आज्ञा लेकर जाना चाहिए। यह मान्यता है कि भक्त काल भैरव दर्शन से पूर्व महाकाल दर्शन अधूरा माना जाता है। भक्त काल भैरव को प्रसाद के तौर पर मदिरा अर्पित करते हैं।

ग्वालियर में खनिज टीम पर हमला, भागकर बचाई जान, बंदूक के दम पर रेत लोड वाहन छुड़ा ले गए माफिया, तलाश में जुटी पुलिस

ग्वालियर में खनिज टीम पर हमला कर रेत लोड वाहन छुड़ा ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। बड़ागांव पुल के नीचे सर्विस रोड पर हुई वारदात के बाद आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। दरअसल, सिटी सेंटर अल्कापुरी स्थित यशोदा रेजीडेंसी निवासी सहायक खनिज अधिकारी राजेश गंगेले मंगलवार रात टीम के साथ कार्रवाई करने गए थे। बिजौली रोड में चेकिंग के दौरान डंपर रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक कट मारते हुए भाग निकला। टीम ने पीछा किया तो आरोपी ने बड़ागांव पुल के पास से आगे फोरलेन पर डंपर रोक दिया और रॉड निकालकर गाली गलौज करने लगे। वह गोली मारने की धमकी देने लगे। खनिज स्टाफ ने भाग कर बचाई जान अचानक हुए हमले से खनिज विभाग का स्टाफ घबरा गया और भागकर जान बचाई। जिसके बाद डंपर मालिक व चालक सर्विस रोड पर रेत डंप कर डंपर ले गया और खनिज अधिकारी देखते रहे। पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। पुलिस ने सहायक खनिज अधिकारी की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में दबिश दी है। आरटीओ से पता चला कि रेत लोड वाहन दूसरी नंबर प्लेट पर चल रहा था। शासन को गुमराह करने आरोपी डंपर का नंबर बदलकर लिया है। पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने व धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

लोकतंत्र की तस्वीर...18वीं लोकसभा के स्पीकर चुने गए ओम बिरला, चुनाव में प्रचार के दौरान जुबानी हमला करने वाले नेता सदन में दिखे नर्म

दुर्लभ नजारा...अब न जाने कब मिलेंगे ये हाथ

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान जुबानी हमला करने वाले नेता बुधवार को सदन में काफी नर्म दिखे। ओम बिरला जब 18वीं लोकसभा के स्पीकर चुने गए तब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ नजर आए। ओम बिरला को मोदी और राहुल उनकी सीट तक लेकर गए। इस दौरान पीएम मोदी और राहुल गांधी ने हाथ मिलाया। यह एक ऐतिहासिक पल था। यह परंपरा रही है कि सदन के नेता यानी प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुने गए सांसद को उनकी सीट से लेकर अध्यक्ष की कुर्सी तक लेकर जाते हैं। लोकसभा स्पीकर पद के लिए ओम बिरला ध्वनि मत से चुने गए हैं। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला ने कांग्रेस के के सुरेश को चुनाव में हरा दिया है। जीतते ही रिकॉर्ड बना गए ओम बिरला ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले पांचवें नेता हैं। इससे पहले 1956 से 1962 तक एमए अय्यंगार, 1969 से 1975 तक जीएस ढिल्लों, 1980 से 1989 तक बलराम जाखड़, 1998 से 2002 तक जीएमसी बालयोगी लोकसभा अध्यक्ष रहे हैं, जिन्होंने लगातार दो लोकसभाओं की अध्यक्षता की है। नीलम संजीव रेड्डी ऐसे सांसद रहे हैं जो दो बार लोकसभा अध्यक्ष रहे लेकिन लगातार नहीं रहे। उन्हें 1967 से 1969 तक और फिर मार्च 1977 से जुलाई 1977 तक लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था।

ओम बिरला के पास इतिहास रचने का मौका

हालांकि, इन सभी में किसी ने 10 वर्षों को दोहरे कार्यकाल को पूरा नहीं किया था। इस लिहाज से ओम बिरला के पास इतिहास बनाने का मौका होगा। अगर वो इस बार पूरे पांच साल तक का कार्यकाल पूरा कर लेंगे तो वो लोकसभा के पूरे दो कार्यकाल यानी 10 साल तक लोकसभा अध्यक्ष पद पर बने रहने का रिकॉर्ड दर्ज कर लेंगे। ओम बिरला का संसदीय अनुभव भले ही लंबा नहीं रहा है, लेकिन वे 2003 से लेकर अब तक लगातार हर चुनाव जीतते आए हैं। साल 2003 में उन्होंने कोटा से पहला विधानसभा चुनाव लड़ा और जीते। इसके बाद 2008 में उन्होंने कोटा दक्षिण सीट से कांग्रेस के शांति धारीवाल को हराकर विधानसभा चुनाव जीता। तीसरा विधानसभा चुनाव भी उन्होंने कोटा दक्षिण से 2013 में जीता था।

स्पीकर बनते ही पलट दिया गेम, इमरजेंसी के विरोध में रखवाया मौन

एक तरफ ओम बिरला के फिर से लोकसभा स्पीकर बनने पर विपक्ष ने जहां स्वागत किया, साथ ही निष्कासन के मामलों को लेकर ताने कसे। वहीं कुछ देर में गेम एकदम से पलटता दिखा। स्पीकर ओम बिरला ने अपनी पहली ही स्पीच में एकदम अलग रुख दिखाया। विपक्ष हक्का-बक्का रह गया। ओम बिरला ने 1975 में इंदिरा सरकार के द्वारा लगाई गई इमरजेंसी की बरसी पर जमकर सदन को सुनाया। इमरजेंसी को लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय बताया, कांग्रेस को उसके लिए घेरा और सदन में दो मिनट का मौन भी रखवा दिया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- यह सदन 1975 में आपातकाल लगाने के फैसले की कड़ी निंदा करता है। इसके साथ ही हम उन सभी लोगों के दृढ़ संकल्प की सराहना करते हैं, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया, संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया।

मोदी बोले- देश की अपेक्षाओं को पूरा करने में बिरला की बड़ी भूमिका रहेगी

आपकी मीठी-मीठी मुस्कान

मोदी ने वर्तमान लोकसभा के लिए भी बिरला के अध्यक्ष चुने जाने के संदर्भ में कहा, आप तो सफल होने ही वाले हैं लेकिन आपकी अध्यक्षता में 18वीं लोकसभा बहुत सफलतापूर्वक देश के नागरिकों के सपनों को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री ने बिरला के व्यक्तिगत स्वभाव और सामाजिक कार्यों का उल्लेख करते हुए भी उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा,आपकी मीठी-मीठी मुस्कान पूरे सदन को प्रसन्न रखती है। मुझे विश्वास है कि आप हर कदम पर नए प्रतिमान स्थापित करेंगे।प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की यात्रा में कुछ अवसर होते हैं जब कीर्तिमान स्थापित करने का सौभाग्य मिलता है और मुझे विश्वास है कि देश भविष्य में इस बात पर गर्व करेगा। मोदी ने 17वीं लोकसभा में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, तीन नए आपराधिक कानून, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, डिजिटल पर्सनल डेटा संरक्षण विधेयक, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, विवाद से विश्वास विधेयक का उल्लेख करते हुए कहा कि बिरला की अध्यक्षता में सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व के अनेक ऐतिहासिक कानून इस सदन ने पारित किए।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनकी अध्यक्षता में 18वीं लोकसभा देश के नागरिकों के सपनों को सफलतापूर्वक पूरा करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं, यह इस सदन का सौभाग्य है। अठारहवीं लोकसभा में अध्यक्ष का कार्यभार दूसरी बार संभालना, अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। आपको और पूरे सदन को मेरी तरफ से बधाई और शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा,हम सबका विश्वास है कि आने वाले पांच साल में आप हमारा मार्गदर्शन करेंगे और देश की आकांक्षाओं तथा अपेक्षाओं को पूरा करने में आपकी बड़ी भूमिका रहेगी। मोदी ने कहा कि बिरला की अध्यक्षता में 17वीं लोकसभा में सदन के माध्यम से जो सुधार हुए हैं और जो महत्वपूर्ण कानून पारित किए गए हैं, वे सदन की और आपकी (अध्यक्ष की) विरासत हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में 17वीं लोकसभा का विश्लेषण किया जाएगा तो लिखा जाएगा कि भारत के भविष्य का निर्धारण करने में बिरला की अध्यक्षता वाली लोकसभा की बहुत बड़ी भूमिका रही।

राहुल बोले- आशा है बिरला विपक्ष को बोलने का मौका देंगे, संविधान की रक्षा करेंगे

राहुल चुने गए नेता प्रतिपक्ष

कांग्रेस ने मंगलवार की रात को ही राहुल गांधी को लोकसभा का नेता प्रतिपक्ष चुना। 16वीं लोकसभा में कांग्रेस के 44 व 17वीं में 52 सांसद जीते थे। इस बार पार्टी के 99 सांसद जीते हैं। हालांकि राहुल गांधी की ओर से वायनाड सीट खाली करने से यह संख्या 98 रह गई है। इसके बावजूद नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के लिए यह पर्याप्त है समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को लोकसभा के नवविर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनका अंकुश विपक्ष के साथ साथ सत्तापक्ष पर भी रहेगा तथा निष्कासन जैसी कार्रवाई नहीं होगी। उत्तर प्रदेश के कन्नौज से लोकसभा सदस्य यादव ने कहा, जिस पद पर आप बैठे हैं उससे बहुत गौरवशाली परंपराएं जुड़ी हुई हैं। हम सब यही मानते हैं कि यह बिना भेदभाव के आगे बढ़ेगा और लोकसभा अध्यक्ष के रूप में आप हर सांसद और हर दल को बराबरी से मौका देंगे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने भी बिरला को बधाई दी।

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सदन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे विपक्ष को बोलने का मौका देकर संविधान रक्षा का अपना दायित्व निभाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं आपके दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देना चाहता हूं। मैं पूरे विपक्ष की ओर से, इंडिया गठबंधन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं। राहुल गांधी ने कहा, अध्यक्ष महोदय, यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के संरक्षक हैं। निस्संदेह, सरकार के पास सत्ता की शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। राहुल का कहना था कि विपक्ष सदन चलाने में पूरा सहयोग करेगा, लेकिन यह भी जरूरी है कि विपक्ष को सदन के अंदर लोगों की आवाज उठाने का मौका मिले। राहुल गांधी ने कहा, आशा है कि आप हमें अपनी आवाज उठाने, भारत के लोगों की आवाज उठाने का मौका देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि इस चुनाव ने दिखाया है कि लोग उम्मीद करते हैं कि विपक्ष संविधान की रक्षा करेगा।उन्होंने उम्मीद जताई कि बिरला विपक्ष को आवाज उठाने का मौका देकर संविधान रक्षा का अपना दायित्व निभाएंगे। आप लोगों की आवाज के माध्यम हैं।

सिंगल कॉलम

नगर निगम में एक और घोटाला, लोकायुक्तने दर्ज की प्राथमिकी

इंदौर। नगर निगम ने जलूद में बिजली बिल कम करने के लिए निजी कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिया था। बिल कम नहीं होने के बावजूद कंपनी ने बिल कम होने के फर्जी दस्तावेज लगाकर भुगतान लिया। इस पर लोकायुक्त में शिकायत की गई थी। लोकायुक्त ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। दस्तावेजों के सत्यापन के लिए शिकायत को इंदौर भेजा है। नगर निगम के ही कॉन्ट्रैक्टर बताए जा रहे कपिल सोनगरा ने यह शिकायत की है। इसमें उल्लेख किया है कि 2012 में निगम ने बिल कम करने के लिए टेंडर जारी किए थे। इसमें सिक्योर मीटर नामक फर्म ने भाग लिया था, लेकिन अनुभव नहीं होने पर टेंडर निरस्त कर दिया था। फिर अफसरों ने कंपनी से मिलीभगत कर नए सिरे से टेंडर जारी किए। किसी अन्य कंपनी का अनुभव पत्र लगाकर कॉन्ट्रैक्ट सिक्योर कंपनी को दिया गया। कॉन्ट्रैक्ट देने के बाद कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी किया गया। कंपनी ने जलूद में अपने ही मीटर लगा दिए, जिससे खपत की गणना पता चल सके। हुआ यह कि बिजली बिल तो कम नहीं हुए, लेकिन कंपनी कम खपत होने के आंकड़े पेश करती रही। तत्कालीन निगमायुक्त ने उस वक्त जांच के लिए कमेटी बनाई। बिल कम नहीं होने पर कंपनी का भुगतान रोक दिया गया।

धोखाधड़ी के मामले में अगरबत्ती कंपनी के मालिक सहित दो पर केस दर्ज

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने एक कंपनी के संचालक की शिकायत पर दूसरी कंपनी के संचालक सहित दो लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक राधेश्याम काबरा, निवासी द रेसीडेंसी बिचौली मदार्ना की शिकायत पर प्रवीण भाई पटेल, महक, निवासी स्नेह नगर इल्वा स्कूल के पास के खिलाफ केस दर्ज कराया है। काबरा इंटरनेशल के नाम से कंपनी संचालित करने वाले राधेश्याम ने बताया कि वह सांवेर रोड़ पर अगरबत्ती को परफ्यूम डिप करने का काम करते हैं। इसके बाद मार्केटिंग कर बेचते हैं। उनके सामने द्वारका अगरबत्ती एंड कंपनी है। जो कच्ची अगरबत्ती बनाते हैं। आमने-सामने काम होने से माल का लेनदेन शुरू हुआ था। जिसमें कच्चा माल लेकर उन्हें कुछ माल दिया जाता था। उनके साथ एक फर्म बनाकर काम शुरू किया गया। जिसमें रुपए का लेनदेन हुआ। लेकिन उन्होंने समझौते के तहत रूपए नहीं दिए। जिसमें जूनी इंदौर पुलिस को शिकायत की गई। जांच बाणगंगा पुलिस के पास पहुंची। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

थाने में आने वाली शिकायतों से तय होगी थाने और टीआई की रेटिंग

इंदौर। पुलिस जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों के आधार पर अफसर अब थानों की व थानों में सुनवाई करने वाले टीआई, एसआई और अन्य पुलिसकर्मियों की रेटिंग भी तय करेंगे। इसके लिए एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह एक प्रोफॉर्मा भी तैयार करवा रहे हैं। इसके तहत जनसुनवाई में आए आवेदकों के नाम-नंबर और संबंधित थाने पर शिकायत, उसकी सुनवाई कर चुके अधिकारी के नाम व नंबरों की जानकारी होगी। सिंह ने बताया कि लंबे समय से देखने में आया है कि कई आवेदक जो थाने में अनावेदक (आरोपी पक्ष) होते हैं, वे भी आवेदक बनकर शिकायत करने आ जाते हैं। ऐसे में थानों में हो रही जांच से मूल आवेदक को न्याय नहीं मिल पाता। एसीपी अमित सिंह ने बताया कि हर थाना स्तर का एक प्रोफॉर्मा तैयार करवाया है। इसमें आवेदक अपने केस की जानकारी के साथ कौन से थाने में किस अधिकारी को कब शिकायत की।

रिंग रोड से 20 मिनट में होगा आठ किलोमीटर का सफर

इंदौर। इंदौर की एक सड़क का बड़ा हिस्सा जल्दी ही ट्रैफिक सिग्नल फ्री हो जाएगा। 30 साल पहले बने पूर्वी रिंग रोड की लंबाई 10 किलोमीटर है। इस मार्ग पर आठ बड़े जंक्शन हैं। जिन पर ट्रैफिक सिग्नल हैं। इन आठ में से तीन जंक्शनों पर ब्रिज बन चुके हैं, जबकि दो जंक्शन पर ब्रिज तैयार हो रहे हैं। उनके निर्माण के बाद रिंग रोड का आठ किलोमीटर का हिस्सा ट्रैफिक जंक्शन फ्री हो जाएगा। इसके बाद यह सफर 20 मिनट में पूरा हो जाएगा। अभी यह दूरी तय करने में 25 से 30 मिनट लगते हैं। 30 साल पहले मुंबई-आगरा हाइवे का ट्रैफिक इंदौर के शहरी हिस्से से होकर जाता था। इसके चलते यहां हादसे होने लगे थे। इस मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री बंद कराने के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण ने पूर्वी रिंग रोड बनाई। लंबे समय तक उसे शुरू नहीं किया गया तो राजनीतिक दलों ने प्रदर्शन किए। इसके बाद रिंग रोड़ से आवागमन शुरू होने लगा था, लेकिन 30 सालों में रिंग रोड के आसपास बसाहट होने लगी और इस मार्ग पर भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया था। तब रिंग रोड पर ब्रिज बनाने की प्लानिंग शुरू हुई। रिंग रोड पर 10 साल पहले पालदा जंक्शन पर पहला ब्रिज लोक निर्माण विभाग ने बनाया था। इसके बाद पिपलियाहाना, बंगाली कॉलोनी चौराहे पर ब्रिज बनने से रिंग रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम हुआ।

इंदौर में भिखारियों पर एक्शन

चौराहों पर लगे कैमरों से रख रहे निगाह, इन्हें देखते ही टीम पहुंचकर करती है कार्रवाई

इंदौर। इंदौर शहर में भिक्षावृत्ति रोकने के लिए महिला व बाल विकास और बाल श्रम विभाग अभियान चला रहा है। शहर में अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई के लिए 12 टीमें बनाई गई हैं। कई बार टीम के पहुंचने से पहले ही भिक्षावृत्ति से जुड़े लोग भाग जाते हैं। इसलिए अब विभाग द्वारा नया प्रयोग शुरू किया गया है। पिछले एक महीने से विभाग एआईसीटीएसएल के कंट्रोल रूम पर निगाह जमाए हुए हैं। यहां कंट्रोल रूम में शहर में जहां भी सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। लाइव फुटेज में भिखारियों को देखकर तत्काल टीम वहां पहुंचकर कार्रवाई करती है। जानकारी के अनुसार विभाग ने महीनेभर पहले यह प्रयोग शुरू किया था। इसमें एआईसीटीएसएल के कंट्रोल रूम से निगरानी रखी जा रही है। जिस चौराहे पर भिक्षावृत्ति और बाल भिक्षावृत्ति की फुटेज दिखाई देती है, कंट्रोल रूप से टीम को सूचना भेज दी जाती है। इसके बाद दल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करता है।

इस प्रयोग में भिक्षावृत्ति से जुड़े लोगों के भागने की संभावना नहीं रहती है। बाल संरक्षण अधिकारी भगवान दास साहू ने बताया कि एआइसीटीएसएल कंट्रोल से मिली रही जानकारी के आधार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। 22 जून से विभाग के दो

कर्मचारियों को कंट्रोल रूम में भी बैठाया रहा है। तब से अब तक 10 से 12 भिक्षावृत्ति से जुड़े लोगों पर कार्रवाई हो चुकी है। इसमें बाल भिक्षुक शामिल हैं। विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरएन बुधोलिया ने बताया कि कंट्रोल रूम से काफी मदद मिल रही है। परिणाम भी बेहतर आ रहे हैं।

छह महीने में 22 बच्चों को भिजवाया आश्रम

विभाग ने अन्य विभागों के साथ मिलकर पिछले छह माह में 2 हजार 650 पंडित, मौलवी, आमजन को बाल भिक्षावृत्ति को लेकर समझाइश दी है। 436 बाल भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों को समझाइश देकर मुख्यधारा में जोड़ा गया। वहीं 22 बच्चों को अभिरक्षा में लेकर अलग-अलग आश्रम में भेजा गया है। बच्चों को काउंसलिंग कर परिवार के पास भेज रहे हैं।

वर्ल्ड रिकार्ड बनाने की तैयारी,15 ट्रक पौधे चेन्नई से इंदौर के लिए रवाना

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में 51 लाख पौधे रोपने के अभियान के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां हो रही है। अब तक शहर में 15 लाख से ज्यादा गड्ढे किए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा पौधे बीएसएफ टेकरी पर रौपे जाएंगे। वहां दो लाख से ज्यादा गड्ढे किए जा चुके है। 7 जुलाई से शुरू होने वाले अभियान के लिए 15 ट्रक चेन्नई से इंदौर के लिए रवाना हो चुके हैं। डेढ़ लाख से ज्यादा पौधे वहां से मंगाए गए हैं।

जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि 50 से ज्यादा प्रजातियों के पौधे चेन्नई से आ रहे है। इनमें नीम, अर्जुन, बरगद, गुलमोहर, केसुनिया, जामुन, बादाम आदि शामिल है। गुरुवार से ट्रक इंदौर में आना शुरू हो जाएंगे। इन पौधों को सुरक्षित स्थानों पर रखा जाएगा और उनकी देखभाल के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इस अभियान के लिए वन विभाग भी तैयारी कर रहा है। अफसरों ने भी वन विभाग की अलग-अलग रौपणियों से पौधे मंगाए है।

एक दिन में 9 लाख पौधे लगाने का रिकार्ड असम का

एक साथ 11 लाख पौधे लगाकर इंदौर में गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाने की तैयारी भी की जा रही है। एक दिन में 9 लाख पौधे लगाने का रिकार्ड असम का है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि एक साथ 11 लाख पौधे लगाने की तैयारी जारी है। 14 जुलाई को यह पौधे एक साथ शहर में लगेंगे। इंदौर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पौधे लगाए जा रहे है। हमारा

लक्ष्य छह से सात सालों में इंदौर व आसपास पांच करोड़ पौधे लगाने का है, ताकि गर्मी में तापमान न बढ़े।

आसपास के शहरों में पौधे नहीं मिले थे

आसपास के शहरों में पौधे नहीं मिलने के चलते चेन्नई, राजमुंदरी और कई अन्य शहरों से बड़े पैमाने पर पौधे बुलवाए गए हैं, जो कल इन्दौर लाए जाएंगे। करीब पौने दो लाख पौधे 15 ट्रकों में लाने के बाद उनकी समुचित देखभाल भी की जाएगी। नगर निगम, जिला प्रशासन सहित अन्य विभागों की टीमें खाली स्थानों, पहाड़ियों और नदी के आसपास के इलाकों को चिन्हित करने में जुटी हैं। इंदौर में 7 जुलाई से इस अभियान की शुरुआत करने की तैयारी है।

कार्यक्रम में शामिल होंगे अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी पौधारोपण प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं। उनसे समय मांगा गया है। उन्हें 14 जुलाई को होने वाले रिकॉर्ड पौधा रोपण में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि उन्होंने 7 जुलाई का टाइम दिया है। हम चाहते हैं कि वो 14 जुलाई वाले रिकॉर्ड पौधा रोपण प्रोग्राम में हिस्सा है।

सुरक्षित स्थानों पर रखवाए जाएंगे पौधे

दक्षिण भारत के कई शहरों से बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे मंगाए गए हैं। उद्यान और जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर के मुताबिक चेन्नई से 15 ट्रकों में करीब पौने दो लाख पौधे मंगवाए गए हैं, जो गुरुवार शाम तक इंदौर लाए जाएंगे। इन्हें विभिन्न नर्सरी और सुरक्षित स्थानों पर रखवाया जाएगा ताकि वे जीवित अवस्था में रहे। देखभाल के लिए उद्यान विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी।

करीब 57 प्रकार की प्रजातियों के पौधे विभिन्न सामाजिक संगठनों की मदद से बुलवाए गए हैं।

बारिश में स्ट्रीट लाइट चालू रखी जाए, आपात स्थिति के लिए टीम तैयार रखें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में फर्जी दस्तावेजों से 11 अपराधियों को छुड़वाने का मामला सामने आया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) की कोर्ट में यह फजीर्वाड़ा हुआ है। जालसाजों के संगठित गिरोह ने फर्जी आईडी और पावती से 11 अपराधियों की रिहाई करवाई है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। छोटी ग्वालटोली पुलिस ने बताया कि फजीर्वाड़े में एक वकील का नाम भी सामने आया है। डीसीपी जोन-3 पंकज पांडे ने बताया कि शक होने पर पुलिस ने जांच करवाई। इसमें पता चला आरोपित फर्जी आधार कार्ड बनाकर अलग-अलग व्यक्तियों को कोर्ट में पेश कर आरोपियों की जमानत करवा लेते थे। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ की तो उनके होश उड़ गए। इन्होंने एक पूरा गिरोह बना रखा था। सभी फर्जी दस्तावेज के जरिए अपराधियों को छुड़वाते थे। गिरोह फर्जी आधार कार्ड भी बनवा लेता था। इसके बाद कोर्ट में लोगों को पेश कर जमानत करवा ली जाती थी। अपराधियों को छुड़वाने के बदले गिरोह उनसे मोटी रकम वसूलता था। पुलिस इस मामले में पकड़ में आए दोनों आरोपितों के अन्य साथियों का पता लगवाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस यह आशंका है कि गिरोह में और भी लोग जुड़े हुए हैं।

इस तरह खुला मामला

टीआई उमेश यादव ने एक मामले में आनंद उर्फ डॉन नाइक और कमलेश बेरवा को गिरफ्तार किया। देर रात एसीपी तुषार सिंह ने पूछताछ की तो आरोपितों ने विजय प्रजापति नामक वकील का नाम लिया। इस केस में सांवेर निवासी सुरेश रामचंद्र के नाम की पावती का इस्तेमाल किया गया।

स्कूलों के विद्यार्थी जो पढ़ेंगे उसका असल जीवन में करेंगे प्रयोग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अब स्कूलों में की जाने वाली पढ़ाई केवल स्कूल या कोचिंग क्लास तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बच्चे जो किताबों में पढ़ेंगे और जिन फार्मूलों का उपयोग मैथ्स, फिजिक्स आदि विषयों में करेंगे, उनका उपयोग असल जीवन में भी कर सकेंगे। इस बारे में टीचर विशेष रूप से उनको सिखाएंगे। नए शैक्षणिक सत्र से इसकी शुरुआत हो गई है। दरअसल, बदलते समय के साथ स्कूलों की पढ़ाई में भी बदलाव किया जा रहा है, ऐसा इसलिए भी हो रहा है कि ताकि बच्चे आने वाले समय में अपने आपको अपडेट रख सकें और नई-नई तकनीकों का उपयोग आसानी से कर सकें। शहर के स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है। ऐसे में सीबीएसई स्कूलों में 6वीं से 11वीं तक के बच्चे इस बार से रिसर्च और एप्लीकेशन बेस पर फोकस होकर पढ़ाई करेंगे।

पहले टीचर्स को दी ट्रेनिंग

नए शैक्षणिक सत्र में बच्चों को नए तरीके से पढ़ाने के लिए स्कूलों में पहले टीचर्स को ट्रेनिंग देकर इसके लिए तैयार किया गया। शहरभर के सीबीएसई स्कूलों के टीचर्स को मार्च से ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद अब वे इसे नए शैक्षणिक सत्र से बच्चों को पढ़ाएंगे।

इस पर देंगे विशेष ध्यान

बच्चे जो किताबों में मैथ्स के फॉर्मूले या केमेस्ट्री और फिजिक्स की इक्वेशन पढ़ते थे, उनका उपयोग असल जीवन में कैसे कर सकते हैं। इसके अलावा साइंटिफिक लर्निंग, न्यूमेरेसी, कम्युनिकेशन स्किल, मोरल वैल्यूस आदि पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा। टीचर्स बच्चों को बताएंगे कि वे किताबों में जो भी पढ़ रहे हैं, उसको अपने रोज के जीवन में किस तरह से उपयोग कर सकते हैं।

रिसर्च बेस पढ़ाई

इस बार पढ़ाई कराने में स्कूल इस पर फोकस ज्यादा करेंगे। रिसर्च बेस पढ़ाई में बच्चे किसी एक टॉपिक पर खुद जानकारी जुटाएं, उसके बारे में पता करें ताकि उन्हें रिसर्च करने की आदत बढ़े। स्कूलों का मानना है कि इस तरह की पढ़ाई करने से उनमें रिसर्च करने की आदत बढ़ेगी और वे ज्यादा मेहनत कर पाएंगे। शहर के कुछ स्कूलों ने तो इसके लिए कई रिसर्च कंपनियों से बात करके अपने यहां बच्चों के साथ उनके सेशन भी किए हैं, ताकि रिसर्च को लेकर उनके मन में किसी प्रकार का संशय ना रहे और वे उसे बेहतर तरीके से समझ सकें।

मोनू कल्याणे की हत्या के पीछे साजिश विजयवर्गीय ने जताई आशंका

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की इंदौर इकाई के पदाधिकारी मोनू कल्याणे की हत्या के पीछे साजिश होने का बुधवार को संदेह जताया और पुलिस को इस घटना की बारीकी से जांच कर हकीकत सामने लाने के निर्देश दिए। भाजयुमो की शहर इकाई के उपाध्यक्ष मोनू कल्याणे (35) की एमजी रोड थाना क्षेत्र में 22 और 23 जून की दरमियानी रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कल्याणे की हत्या के आरोप में उनके दो पड़ोसियों- अर्जुन पथरोड़ और पीयूष पथरोड़ को भोपाल के अंतर-प्रांतीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के बाहर से 24 जून को गिरफ्तार किया गया था। कल्याणे के परिजनों को ढाढस बंधाने के बाद विजयवर्गीय ने संवाददाताओं से कहा कि कल्याणे की हत्या के आरोपी (पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान) प्रतिदिन अपने बयान बदल रहे हैं। हत्याकांड के वास्तविक कारण का पता चलना चाहिए।

वारदात के पीछे कुछ और लोगों का हाथ तो नहीं?

विजयवर्गीय ने कहा कि कल्याणे के पड़ोस में रहने वाले आरोपियों ने धोखे से उनकी

हत्या की और लगता है कि इस वारदात के पीछे कोई षड़यंत्र था। विजयवर्गीय ने बताया कि उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि वह घटना की बारीकी से जांच कर पता लगाए कि वारदात के पीछे कुछ और लोगों का हाथ तो नहीं है। भाजपा के सूत्रों के मुताबिक कल्याणे, विजयवर्गीय के करीबी समर्थकों में एक थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी- अर्जुन पथरोड़ और पीयूष पथरोड़, कल्याणे के पड़ोस में रहते हैं और शुरूआती जांच में यह सामने आया कि उन्होंने भाजयुमो पदाधिकारी की हत्या पुरानी रंजिश के कारण की। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपियों ने दावा किया कि कल्याणे उन पर रौब जमाकर उन्हें आए दिन अपमानित करते थे, जिसका बदला लेने के लिए उन्होंने वारदात को अंजाम दिया।

आरोपियों के घर पर चला है बुलडोजर

घटना के बाद दोनों आरोपियों के घर पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उनके अवैध निर्माण पर बुजडोजर की कार्रवाई की है। 25 जून को प्रशासन ने दोनों के तीन मंजिले मकान को तोड़ दिया है। बता दें कि भगवा यात्रा के लिए इंदौर में बीजेपी नेता कई जगहों पर पोस्टर लगा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में ही रहने वाले पीयूष और अर्जन बाइक से आए और थोड़ी देर बातचीत के बाद उन्होंने मोनू पर हमला बोल दिया। दोनों हमलावरों ने पिस्टल से मोनू को गोली मारी। जिसमें दो गोली मोनू कल्याण को लगी। घटना के थोड़ी ही देर बाद मोनू की मौत हो गई।

जमकर हंगामा करने की तैयारी कर रही है कांग्रेस, रणनीति हुई तैयार

बजट सत्र में अलग-अलग मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

सिटी चीफ भोपाल।
मध्यप्रदेश में कांग्रेस को विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस एक बार फिर से संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है। वहीं, कांग्रेस के विधायकों को पार्टी आलाकमान ने निर्देश दिया है कि सभी विधायक एक जुलाई से शुरू होने वाले बजट सत्र में अलग-अलग मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे। इसके लिए सभी विधायकों को पार्टी द्वारा मुद्दे भी बताए जा रहे हैं।

एमपी में बीजेपी जिन प्रमुख वादों को लेकर सत्ता में आई, वह अब भी अधूरे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि महिलाओं को 450 रुपये का गैस सिलेंडर, तीन हजार रुपये लाडली बहनों को और किसानों को उनकी फसल का समर्थन मूल्य सरकार नहीं दे रही है। इन मुद्दों को जोर-जोर से सदन में उठाया जाएगा। कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने कहा है कि सरकार की वादाखिलाफी नहीं चलने देंगे। विपक्ष ने सदन में सरकार को घेरने की रणनीति भी तैयार कर ली है। विधायकों को अलग-अलग मुद्दों को प्रभावी रूप से तैयारी के साथ उठाने कहा गया है। इस विधानसभा में कांग्रेस के सबसे ज्यादा मुद्दे उठाने वाले और कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने वाले वर्तमान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी चुनाव हारने के कारण विधानसभा से बाहर हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा मुद्दे उठाने वाले युवा विधायक कुणाल चौधरी भी इस बार चुनाव हार गए हैं। इसलिए विधानसभा से बाहर हो गए। यही वजह है कि कांग्रेस इस बार विधानसभा में कमजोर दिखाई देती है। नेता प्रतिपक्ष की बात करें तो उमंग सिंघार भी उतने धारदार नजर नहीं आते हैं। पिछले

विधानसभा सत्र में कांग्रेस की तरफ से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछने वाले विधायक रामनिवास रावत भी कांग्रेस का दामन छोड़कर बीजेपी के साथ चले गए हैं। इसका भी असर इस सत्र में दिखाई देगा।

प्रदेश में बेरोजगारी महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप
मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार बनने के बाद एक जुलाई से शुरू होने जा रहा बजट सत्र में कांग्रेस जमकर हंगामा करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि प्रदेश में लगातार बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। इन पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। नर्सिंग घोटाले पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जिससे सीधे तौर पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। हम यह बात लगातार कर रहे हैं कि भाजपा अपने वचनों को पूरा नहीं कर रही है। गेहूं और धान के एमसपी नहीं बढ़ाई, लाडली बहनों को तीन हजार नहीं दे रहे हैं, 450 में गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा।यह सभी वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। लोकसभा का चुनाव भी हो गया है। आगामी विधानसभा के सत्र में हम लोग जोर-शोर से इन मुद्दों को उठाएंगे।

रामगंज मंडी रेलमार्ग का 114 किमी का काम पूरा, अगले साल से शुरू हो सकेगा ट्रेनों का संचालन

भोपाल से कोटा का सफर होगा आसान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल-रामगंजमंडी रेलमार्ग का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। एक वर्ष में काम पूरा हो जाएगा। भोपाल-रामगंजमंडी रूट पर ट्रेन शुरू होने से मप्र और राजस्थान के बीच का सफर काफी आसान होगा। इससे भोपाल, सीहोर और राजगढ़ के साथ राजस्थान के कोटा और झालावाड़ जिले को सीधा लाभ मिलेगा। 276 किमी लंबे रेल मार्ग में अभी तक 114 किली को काम हो गया है। रामगंजमंडी रेल लाइन पर 2025 में ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। वहीं, रेल प्रशासन इस रेलमार्ग को वर्ष के अंत तक पूरा करने की तैयारियों में जुटा है।

संत हिरदाराम से श्यामपुर, कुरावर तक 46.5 किमी का काम हो रहा है। इसके अलावा 76 किमी का कुरावर से ब्यावरा, राजगढ़ के बीच काम होना है। वहीं संत हिरदाराम नगर से भोपाल तक 10 किमी में ट्रेन संचालित हो रही है। संत

हिरदाराम रेलवे स्टेशन से कुरावर के बीच काम तेजी से किया जा रहा है। वहीं, झरखेड़ा तक लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इसके साथ ही तीसरी लाइन को भी तैयार किया जा रहा है। जिससे ट्रेनों को गति मिले, साथ ही समय की भी बचत हो।

मालगाड़ियों का संचालन भी हो सकेगा
भोपाल-रामगंजमंडी रेलमार्ग का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इस मार्ग पर यात्री ट्रेन के साथ मालगाड़ियों का संचालन भी हो सकेगा। ऐसे में संत हिरदाराम नगर से सीहोर के लिए आने वाले यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा भोपाल व कोटा के बीच यात्रा का नया मार्ग खुल रहा है। रेलवे का ट्रांसपोर्ट अन्य ट्रांसपोर्ट से सस्ता होने से व्यापारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा सीहोर व आसपास के क्षेत्र से गेहूं के राजस्थान में जाने के लिए नया व सस्ता विकल्प भी मिल सकेगा।

`भोपाल-रामगंजमंडी रेल लाइन
276.50 किलोमीटर कुल लंबाई
167 एमएम ब्राड गैज लाइन
110 किलोमीटर अधिकतम स्पीड से चल सकेंगी ट्रेनें
25 केवी एसी से पूरी तरह इलेक्ट्रिफाइड रेल लाइन होगी
4 मेन ब्रिज
24 माइनर ब्रिज
2 रेलवे ओवर ब्रिज
2 टनल

इनका कहना है
भोपाल-रामगंजमंडी प्रोजेक्ट के निर्माण गतिविधि में तेजी आई है। भोपाल से संत हिरदाराम नगर तक ट्रेनों को संचालन हो रहा है। ऐसे में हमारा मानना है कि पूरा कार्य निर्धारित डेडलाइन के भीतर पूरा किया जाएगा।
नवल अग्रवाल, एसीएम एवं प्रवक्ता भोपाल मंडल

रेलवे के अधिकारियों ने स्टाल में गंदगी मिलने पर संचालक पर लगाया जुर्माना

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के फूड स्टाल पर बिरयानी में मिला कीड़ा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के फूड स्टॉल पर एक यात्री को दी गई बिरयानी में कीड़ा निकला। बिरयानी खरीदने वाले युवक ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर डाल दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद रेलवे में हड़कंप मच गया। इसके बाद आरएलडीए के अधिकारियों ने स्टाल का संयुक्त निरीक्षण किया। साफ-सफाई की कमी पाए जाने पर स्टाल संचालक पर जुर्माना लगाने के साथ अन्य कार्रवाई की गई है। पिछले कुछ दिनों से रेलवे में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसमें खाद्य पदार्थ घटिया गुणवत्ता के पाए गए। कहीं रेल यात्री के भोजन में कीड़े मिले तो कहीं खाना ही खराब मिला। इन घटनाओं के सामने आने के बाद यात्रियों की नाराजगी सामने आ रही है, वहीं रेलवे बचाव की मुद्रा में है और खान-पान स्टाल की विशेष जांच कराई जा रही है। इसके बावजूद इस तरह की घटना का दोहराव सामने आ गया।

जानकारी के अनुसार जितेंद्र कुमार नाम का युवक सोमवार रात करीब 11 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन परिसर में फूड कोर्ट स्थित अवध फूड्स में बिरयानी खाने पहुंचा। यहां परोसी गई बिरयानी में उन्हें कीड़ा दिखाई दिया। जब उन्होंने फूड स्टाल संचालक से इसकी शिकायत की तो उसने मानने से इंकार कर दिया। इस बिरयानी के लिए उन्होंने 230 रुपये का भुगतान भी किया। जितेंद्र की शिकायत सामने आने के बाद रेलवे सक्रिय हुआ। भोपाल मंडल के अलग-अलग स्टेशनों पर खानपान की शिकायतें लगातार आ रही है। अधिकारी भी समय-समय पर स्टेशन का निरीक्षण कर रहे हैं। इसके बावजूद वेंडर स्टाल पर न तो साफ-सफाई रख रहे हैं। इसके अलावा खुले में खाने के पैकेट रखे रहते हैं।

इनका कहना है
जानकारी मिलने के बाद स्टाल का संयुक्त निरीक्षण किया गया। स्टाल में साफ-सफाई की कमी पाई गई है। स्टाल संचालक पर जुमार्ना लगाया गया है।
– मयूर जैन, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, आरएलडीए

ग्राम मुबारकपुर की घटना, आरोपियों ने वीडियो बनाकर किया वायरल

शराब के लिए रुपये न देने पर पीटा नग्न कर सड़क पर दौड़ाया

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। परविलया सड़क थाना इलाके के ग्राम मुबारकपुर में पांच लोगों ने एक किशोर को शराब के लिए रुपए नहीं देने पर जमकर पीटा। उन्होंने किशोर के पूरे कपड़े उतार दिए और सड़क पर दौड़ने को मजबूर किया। साथ ही पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बना लिया। इसके बाद सोशल मीडिया वर वायरल कर दिया। वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों में से चार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एक नाबालिग आरोपी को भी अभिरक्षा में ले लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन सगे भाई हैं।

एसडीओपी मंजू चौहान ने बताया कि सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो बहुप्रसारित हुआ था। वीडियो में चार युवक एक किशोर को पीटते हुए दिख रहे थे। मारपीट के बाद उन्होंने नाबालिग के कपड़े उतारकर उसे दौड़ाना शुरू कर दिया था। भयभीत होकर नाबालिग जब भागने लगा तो युवकों ने उसका वीडियो बना लिया। वीडियो संज्ञान में आते ही पुलिस ने तकनीकी जांच की। इससे पता चला कि वीडियो मुबारकपुर में बनाया गया है। इस वीडियो में दिख रहे दो युवकों को परवलिया थाना के पुलिसकर्मियों ने पहचान भी लिया। इसके बाद पुलिस उन युवकों के घर पहुंच गई।

आरोपियों ने कबूली घटना
हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उन्होंने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार करते हुए अपने साथियों के नाम भी बता दिए। पीड़ित भी मुबारकपुर का निवासी है। पूछताछ में पता चला कि इन लोगों ने शराब के लिए रुपये मांगने किशोर को रास्ते में रोका था। उसने रुपये देने से मना कर दिया था, तो उसके साथ मारपीट कर उसे बदनाम करने के लिए उसके कपड़े उतारकर भागने के लिए विवश किया और वीडियो बना लिया था। परवलिया थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि इस मामले में अनीस, लईक, नईम, सुमाइल को गिरफ्तार कर लिया है। एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया है। बालिग सभी आरोपियों को अदालत ने जेल भेज दिया है।

खाद्य विभाग ने 14 संस्थानों पर 2.82 लाख जुर्माना

कहीं बिना लाइसेंस तो कहीं की जा रही थी मिलावटी

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी भोपाल में खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी दुकानदारों द्वारा मानक खाद्य सामग्री बेची जा रही है। इसी कड़ी में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी भोपाल हिमांशु चन्द्र के निर्देशन में सहायक खाद्य अधिकारी द्वारा कुल 14 प्रकरणों के नमूने अवमानक, मिथ्या छाप, बगैर खाद्य पंजीयन के खाद्य सामग्री का व्यवसाय किए जाने, अस्वास्थ्यकार परिस्थिति में व्यवसाय किए जाने से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आदेश पारित करते हुए कुल दो लाख 82 हजार 500 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। खाद्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि एसएसडी ट्रेडिंग कम्पनी मंदिर घोड़ा नक्कास भोपाल को बिना पंजीयन और मिथ्या छाप स्तर के साई भोग प्रीमियम तिली बेचने पर पांच हजार रुपये का जुर्माना, श्रीराम दूध डेयरी खजूरी कला सोनपुरा पर अवमानक भैंस के दूध के विक्रय पर पांच हजार, निरवाना बार एण्ड रेस्टोरेंट जोन-1 एमपी नगर को अवमानक पनीर उपयोग करने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना, श्री रहमत अली ग्राम ललोती तहसील नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ को अवमानक भैंस का दूध संग्रहण और विक्रय पर पांच हजार रुपये, प्रदीप किराना स्टोर श्याम मार्केट सूखी सेवनिया को बिना खाद्य पंजीयन के और प्रतिबंधित कुटी लाल मिर्च बेचने पर 2500 रुपये का जुर्माना, स्वनिल जैन सुपाड़ी कटिंग दयानंद चौक जुमेराती को बिना पंजीयन के और अवमानक सुपाड़ी बेचने पर पांच हजार रुपये, बाबूजी स्वीट्स एण्ड डेरी कैंची छोला को अवमानक मावा बेचने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

बेच रहे थे प्रतिबंधित खुली हल्दी
इसी प्रकार कान्हां किराना स्टोर रातीबड़ भोपाल को बिना पंजीयन और मिथ्या छाप स्तर के राजभोग बेसन बेचने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना, बालाजी ट्रेडर्स स्प्रिंग वेली कटारा हिल्स को प्रतिबंधित खुली हल्दी पिसी बेचने पर पांच हजार रुपये, श्रीराम डेयरी छोला नाका को अवमानक मावा बेचने पर 10 हजार रुपये, वेडबाक्स होस्टल महाबली नगर मानसरोवर स्कूल के पास कोलार को बिना खाद्य पंजीयन के और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में खाद्य सामग्री बनाने पर 25 हजार रुपये का जुर्माना, काफिला द बार्बीक्यू चिकलोद रोड जहांगीराबाद को बिना खाद्य पंजीयन के व्यवसाय करने पर 20 हजार रुपये, मोनू भाई किराना स्टोर स्टेशन रोड संत हिरदाराम नगर को बिना खाद्य पंजीयन व्यवसाय करने पर 40 हजार रुपये, मोक्ष क्लब संत हिरदाराम नगर को खाद्य सामग्री के निर्माण में उल्लंघन करने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन में सीएम मोहन यादव ने की कई घोषणा

मीसाबंदियों को मिलेगी एयर एंबुलेंस, टोल नाकों पर छूट

भोपाल। देश में आपातकाल का काले अध्याय 49 साल पूरे होने के मौके पर बुधवार को भोपाल में श्यामला हिल्स पर स्थित मुख्यमंत्री आवास में लोकतंत्र के सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में प्रदेशभर से मीसाबंदी और उनके परिजन पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस सम्मेलन के दौरान मीसाबंदियों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और लोकतंत्र सेनानियों को बीमार होने पर अगर

आकस्मिक चिकित्सा के लिए एयर एंबुलेंस की जरूरत होगी तो सरकार उनके लिए एयर एंबुलेंस का इंतजाम कराएगी। इसके अलावा प्रदेश में चलने वाली एयर टैक्सी में लोकतंत्र सेनानियों को किराए में 25 त्न छूट मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तरह ही सभी मीसाबंदियों को भी ताम्रपत्र प्रदान किया जाएगा। मीसाबंदियों को सर्किट हाउस, विश्रामगृह आदि में ठहरने के लिए 50 फीसदी तक छूट दी जाएगी। लोकतंत्र सेनानियों का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा। इनकी अंत्येष्टि के लिए 8000 की राशि दी जाती है। इस राशि को बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के मंच से यह भी घोषणा की की कि आपातकाल के संघर्ष को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर प्रदेश भर के 750 मीसाबंदी और उनके परिजन आज सीएम हाउस में मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फूल बरसाकर सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में मीसाबंदियों ने आपातकाल और जेल जाने के संस्मरण भी सबको सुनाए।

सम्पादकीय

अब बारिश तय करेगी महंगाई की दर कम होगी या बढ़ेगी

देश में इस समय लोगों को महंगाई से दो-चार होना पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल, सब्जी आदि चीजों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। वहीं दूसरी ओर इस महंगाई की मार सबसे ज्यादा शहर के लोगों की अपेक्षा गांव के लोगों पर पड़ी है। किसानों की आमदनी पर भी काफी असर पड़ा है। यही नहीं, किसानों की कम आमदनी के पीछे कम बारिश भी कारण रही है।

देश में इस समय लोगों को महंगाई से दो-चार होना पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल, सब्जी आदि चीजों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। वहीं दूसरी ओर इस महंगाई की मार सबसे ज्यादा शहर के लोगों की अपेक्षा गांव के लोगों पर पड़ी है। किसानों की आमदनी पर भी काफी असर पड़ा है। यही नहीं, किसानों की कम आमदनी के पीछे कम बारिश भी कारण रही है। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी एचएसबीसी की रिपोर्ट में ये बातें सामने आई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोना के बाद आर्थिक रिकवरी की दर जिस तरह अलग-अलग रही, भारत में महंगाई की दर भी कुछ इसी तरह रही है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक भारत में महंगाई की स्थिति अंग्रेजी के लैटर के की तरह रही है। यानी जिस तरह देश की अर्थव्यवस्था में के आकार का पुनरुद्धार (कुछ क्षेत्रों में तेजी तो कुछ में नरमी) देखने को मिला, उसी प्रकार की स्थिति महंगाई के मामले में भी रही। गांव के लोगों को महंगाई सबसे अधिक परेशान कर रही है। खाद्य पदार्थों की तेजी से ऊंचाई छूती कीमतों की वजह से भारत के ग्रामीण इलाकों में महंगाई अपने चरम पर है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों का मानना है कि शहरी कंज्यूमर्स के मुकाबले ग्रामीण उपभोक्ता महंगाई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फसलों के नुकसान होने से किसानों की आमदनी घटी है और वे शहरी बाबुओं के पेट भरने के फेर में खुद के इस्तेमाल वाले खाद्य पदार्थों को शहरों में बेच रहे हैं। इससे गांवों में आपूर्ति घटी है और महंगाई चरम पर पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा कहा गया है कि जिस तरह अर्थव्यवस्था में के-आकार का पुनरुद्धार यानी कुछ क्षेत्रों में तेजी और कुछ में नरमी देखने को मिली थी, उसी प्रकार की स्थिति महंगाई के मामले में भी दिखाई दे रही है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने रिपोर्ट में मौजूदा भीषण गर्मी का हवाला दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक ओर जहां खाद्य वस्तुओं की कीमतें ऊंची हैं, वहीं मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति में नरमी की स्थिति भी बनी हुई है। इसका कारण फसल को होने वाले नुकसान और पशुओं की मृत्यु दर है। मुख्य मुद्रास्फीति में खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों के प्रभाव को शामिल नहीं किया जाता। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने ईंधन की कीमतों में कटौती करके मदद का हाथ बढ़ाया है, लेकिन आमतौर पर गांवों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का इस्तेमाल शहरों की तरह नहीं होता। इसके कारण ग्रामीण मुद्रास्फीति शहरों की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य मुद्रास्फीति की स्थिति अधिक असमंजस वाली लगती है। इसका कारण यह है कि आदर्श रूप से हर किसी के मन में यह आएगा कि जब खाद्यान्न का उत्पादन गांवों में होता है, तो फिर वहां शहरों में तुलना में महंगाई कम होनी चाहिए। ग्रामीण इलाकों में फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों की आमदनी घटी है। वे शहरी खरीदारों को खाद्य पदार्थ बेचने के लिए अधिक प्रयास कर रहे हैं। इससे रिटर्न अधिक हो सकता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कम आपूर्ति रह जाती है। इससे कीमतें बढ़ जाती हैं और महंगाई तेजी पकड़ लेती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों में बंदरगाहों से खाने की मेज तक सामान पहुंचाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा है। इससे आयातित वस्तुओं की कीमतें कम करने में मदद मिलती है। ब्रोकरेज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सबकी निगाहें बारिश पर टिकी हुई हैं। इस साल अगर बारिश सामान्य होती है, तब शायद आरबीआई रेपो रेट में जल्दी कटौती नहीं करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर जुलाई और अगस्त में बारिश सामान्य नहीं होती है, तो गेहूं और दालों के कम भंडार को देखते हुए 2024 में खाद्यान्न के मोर्चे पर स्थिति पिछले साल के मुकाबले खराब हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून में अब तक बारिश सामान्य से 17 फीसदी कम रही है। उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 63 फीसदी कम बारिश हुई है, जहां भारत का सबसे ज्यादा अनाज पैदा होता है। यदि बारिश सामान्य हो जाती है, तो महंगाई में तेजी से कमी आ सकती है और आरबीआई नीतिगत दर में कटौती करने में सक्षम होगा और मार्च, 2025 तक इसमें 0.5 फीसदी की कमी हो सकती है। जाहिर है शहरों के मुकाबले गांवों में महंगाई ज्यादा होना मोदी 3.0 सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

कब सुधरेगी भारत की डाक व्यवस्था?

भारत में डाक विभाग 250 साल से पुराना है। आज गांव-गांव तक इसकी ब्रांच हैं। पूरे भारत में 155531 डाकघर हैं। इतना बडा नेटवर्क होने के बाद भी यह सरकारी विभाग प्राइवेट कोरियर कंपनियों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ती जा रही है। भारतीय डाक की सेवा में सुधार हो, इसमें न विभागीय अधिकारियों की रूचि है, न सरकार की। इसी का परिणाम है कि इसका अपने व्यवसाय से एकाधिकार टूटता जा रहा है।

आजादी के 75 साल बाद भी भारत की डाक व्यवस्था में सुधार न होकर पतन ही हुआ। भारत में डाक विभाग 250 साल से पुराना है। आज गांव-गांव तक इसकी ब्रांच हैं। पूरे भारत में 155531 डाकघर हैं। इतना बडा नेटवर्क होने के बाद भी यह सरकारी विभाग प्राइवेट कोरियर कंपनियों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ती जा रही है। भारतीय डाक की सेवा में सुधार हो, इसमें न विभागीय अधिकारियों की रूचि है, न सरकार की। इसी का परिणाम है कि इसका अपने व्यवसाय से एकाधिकार टूटता जा रहा है। प्राइवेट कंपनी इसके व्यवसाय को कब्जाती जा रही हैं। भारत में डाक सेवाओं की स्थापना 1774 में हुई। पहली बार भारतीय डाकघर को राष्ट्रीय महत्व के एक अलग संगठन के रूप में स्वीकार किया गया और उसे एक अक्टूबर 1854 को डाकघर महानिदेशक के सीधे नियंत्रण में सौंप दिया गया। भारतीय डाक व्यवस्था कई व्यवस्थाओं को जोड़कर बनी हैं। 650 से ज्यादा रजवाड़ों की डाक प्रणालियों, जिला डाक प्रणाली और जमींदारी डाक व्यवस्था को प्रमुख ब्रिटिश डाक व्यवस्था में शामिल किया गया था। इन टुकड़ों को इतनी खूबसूरती से जोड़ा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक संपूर्ण अखंडित संगठन है। 1766 में लार्ड क्लाइव ने देश में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की थी। इसके बाद 1774 में वारेन हेस्टिंग्ज ने इस व्यवस्था को और मजबूत किया। उन्होंने एक महा डाकपाल के अधीन कलकत्ता प्रधान डाकघर स्थापित किया। मद्रास और बंबई प्रेसीडेंसी में क्रमशः 1786 और 1793 में डाक व्यवस्था शुरू की गई। 1837 में डाक अधिनियम लागू किया गया ताकि तीनों प्रेसीडेन्सी में सभी डाक संगठनों को आपस में मिलाकर देशस्तर पर एक अखिल भारतीय डाक सेवा बनाई जा सके। 1854 में डाकघर अधिनियम के जरिए एक अक्टूबर 1854 को मौजूदा प्रशासनिक आधार पर भारतीय डाक घर को पूरी तरह सुधारा गया। 1854 में डाक और तार दोनों ही विभाग अस्तित्व में आए। शुरू से ही दोनों विभाग जन कल्याण को ध्यान में रख कर चलाए गए। लाभ कमाना उद्देश्य नहीं था। 19वीं शताब्दी के उत्तार्ध्द में सरकार ने फैसला किया कि विभाग को अपने खर्चे निकाल लेने चाहिए। उतना ही काफी होगा। 20वीं सदी में भी यही क्रम बना रहा। डाकघर और तार विभाग के क्रियाकलापों में एक साथ विकास होता रहा। 1914 के प्रथम विश्व युध्द की शुरुआत में दोनों विभागों को मिला दिया गया। भारतीय राज्यों के वित्तीय और राजनीतिक एकीकरण के चलते यह आवश्यक और अपरिहार्य हो गया कि भारत सरकार भारतीय राज्यों की डाक व्यवस्था को एक विस्तृत डाक व्यवस्था के अधीन लाए। ऐसे कई राज्य थे जिनके अपने जिला और स्वतंत्र डाक संगठन थे और उनके अपने डाक टिकट चलते थे। इन राज्यों के लैटर बाक्स हरे रंग में रंगे जाते थे ताकि वे भारतीय डाकघरों के लाल लैटर बाक्सों से अलग नजर आएं। 1908 में भारत के 652 देशी राज्यों में से 635 राज्यों ने भारतीय डाक घर में शामिल होना स्वीकार किया। केवल 15 राज्य बाहर रहे, जिनमें हैदराबाद, ग्वालियर, जयपुर और ट्रावनकोर प्रमुख हैं। 1925 में डाक और तार विभाग का बड़े पैमाने पर पुनर्गठन किया गया। विभाग की वित्तीय स्थिति का जायजा लेने के लिए उसके खातों को दोबारा व्यवस्थित किया गया। उद्देश्य यह पता लगाना था कि विभाग करदाताओं पर कितना बोझ डाल रहा है या सरकार का राजस्व कितना बढा रहा है और इस दिशा में विभाग की चारों शाखाएं यानी डाक, तार, टेलीफोन और बेतार कितनी भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय डाक सेवा का क्षेत्र चिट्ठियां बांटने और संचार का कारगर साधन बने रहने तक ही सीमित नहीं है। शुरुआती दिनों में डाकघर विभाग, डाक बंगलों और सरायों का रख रखाव भी करता था। 1830 से लगभग तीस सालों से भी ज्यादा तक यह विभाग यात्रियों के लिए सड़क यात्रा को भी सुविधाजनक बनाते थे। कोई भी यात्री एक निश्चित राशि के अग्रिम पर पालकी, नाव, घोड़े, घोड़ागाड़ी और डाक ले जाने वाली गाड़ी में अपनी जगह आरक्षित करवा सकता था। वह रास्ते में पड़ने वाली डाक चौकियों में आराम भी कर सकता था। यही डाक चौकियां बाद में डाक बंगला कहलाईं। 19वीं सदी के आखिर में प्लेग की महामारी फैलने के दौरान, डाकघरों को कुनैन की गोलियों के पैकेट बेचने का काम भी सौंपा गया था।

भारत संयुक्त परिवारों और छोटी आमदनी वाले लोगों का देश है, जहां लोगों को छोटी रकमों की सूरत में लाखों रुपए भेजने पड़ते हैं। रुपयों के लेन-देन का काम जिला मुख्यालयों में स्थित 321 सरकारी खजानों द्वारा किया जाता था। 1880 में मनी आर्डर के द्वारा छोटी रकमें भेजने का काम 5090 डाकघर वाली विस्तृत डाक एजेंसी को दिया गया और इस तरह जिला मुख्यालयों तक जाने और प्राप्तकर्ता द्वारा पहचान साबित करने की कठिनाइयां कम हो गईं ।1884 में उच्च पदों पर आसीन कर्मचारियों को छोड़कर देसी डाक कर्मचारियों के लिए डाक जीवन बीमा योजना शुरू की गई, क्योंकि भारत में काम करने वाली बीमा कंपनियां आम भारतीय निवासियों का बीमा करने से कतराती थीं। उन कठिन दिनों में देश के साथ-साथ डाक विभाग भी इसके असर से अछूता नहीं रहा। 1857 के बाद विभाग ने आगजनी और लूटमार का दौर देखा। एक उपडाकपाल और एक ओवरसियर की हत्या कर दी गई, एक रनर को घायल कर दिया गया और बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तर पश्चिमी सीमांत राज्यों के कई डाकघरों को लूट लिया गया। उत्तर पश्चिमी सीमांत राज्यों और अवध में सभी संचार लाइनों को बंद कर दिया गया था और हिंसा खत्म हो जाने के बाद भी साल भर तक कई डाकघरों को दोबारा नहीं खोला जा सका। लगभग पांच माह तक चलने वाली 1920 की डाक हड़तालों ने देश की डाक सेवा को पूरी तरह ठप्प कर दिया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई डाकघरों और लैटर बक्सों को जला दिया गया थाऔर डाक का आना-जाना बड़ी मुश्किल से हो पाता था। इसके कारण कई सेक्टरों में डाक सेवाएं गड़बड़ा गई थीं। पोस्ट कार्ड 1879 में चलाया गया जबकि वैल्यू पेएबल पार्सल (वीपीपी), पार्सल और बीमा पार्सल 1977 में शुरू किए गए। भारतीय पोस्टल आर्डर 1930 में शुरू हुआ। तेज डाक वितरण के लिए पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिनकोड) 1972 में शुरू हुआ। तेजी से बदलते परिदृश्य और हालात को मद्दे नजर रखते हुए 1985 में डाक और दूरसंचार विभाग को अलग-अलग कर दिया गया। समय की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर 1986 में स्पीड पोस्ट शुरू हुई ओर 1994 में मेट्रोसराजधानीसव्यापार चैनल, ईपीएस और वीसैट के माध्यम से मनी आर्डर भेजा जाना शुरू हुआ। पिछले कई सालों में डाक वितरण के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है और यह डाकिए द्वारा चिट्ठी बांटने से स्पीड पोस्ट और स्पीड पोस्ट से ई-पोस्ट के युग में पहुंच गया है। भारतीय पोस्टल आर्डर 1930 में शुरू हुआ। तेज डाक वितरण के लिए पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिनकोड) 1972 में शुरू हुआ । तेजी से बदलते परिदृश्य और हालात को मद्दे नजर रखते हुए 1985 में डाक और दूरसंचार विभाग को अलग-अलग कर दिया गया। समय की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर 1986 में स्पीड पोस्ट शुरू हुई ओर 1994 में मेट्रोसराजधानीसव्यापार चैनल, ईपीएस और वीसैट के माध्यम से मनी आर्डर भेजा जाना शुरू किया गया।

डाक व्यवस्था में डाकिए का बड़ा महत्व है। पुराने जमाने में हरेक डाकिए को ढोल बजाने वाला मिलता था जो जंगली रास्तों से गुजरते समय डाकिए की सहायता करता था । रात घिरने के बाद खतरनाक रास्तों से गुजरते समय डाकिए के साथ दो मशालची और दो तीरंदाज भी चलते थे। ऐसे कई किस्से मिलते हैं जिनमें डाकिए को शेर उठा ले गया या वह उफनती नदी में डूब गया या उसे जहरीले सांप ने काट लिया या वह चटटान फिसलने या मिटटी गिरने से दब गया या चोरों ने उसकी हत्या कर दी। ब्रिटिश भारत के तत्कालीन गवर्नर-जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने आम जनता के लिए पहली डाक सेवा शुरू की। यह सेवा उन कबूतरों के लिए एक राहत के रूप में आई, जिन्हें पत्र देने में कई दिन और महीने लग जाते थे। डाक सेवाओं ने त्वरित वितरण को एक वास्तविकता बना दिया। पूरे देश में इसका नेटवर्क बना। गांव-गांव तक पोस्ट आफिस खुल गए। डाक सेवा के साथ-साथ सरकार की छोटी-छोटी बचत योजनांए भी शुरू हुईं। संयम की मांग को देखते हुए तार और फोन सेवा पर भी डाक तार विभाग का एकाधिकार हो गया। एक की कंपनी होने के कारण प्रबंधक की परेशानी देखते हुए 1985 में दूरसंचार सेवाएं अलग कर दी गई।

समय बदला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग डीएचएल ने 1969 में पहली अंतरराष्ट्रीय कूरियर कंपनी के रूप में एक भव्य प्रवेश किया, और कई अन्य ने इसका अनुसरण किया। इनका उद्देश्य बिना किसी देरी के सुविधाजनक वितरण सेवाएं प्रदान करना था। 2020 तक, ब्लू डार्ट भारत में अग्रणी कूरियर कंपनी बन गई। प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ, माल की डिलीवरी तेज और तेज हो गई है। जबकि समय के साथ कूरियर सेवाओं का उन्नयन हुआ है, लोग अभी भी आवश्यक दस्तावेज भेजने के लिए डाक सेवाओं पर भरोसा करते हैं। किंतु समय ज्यादा लेने डाक विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही और सेवा में रूचि न लेने के कारण भारतीय डाक सेवा में लोगों का रूझान कम होना शुरू हो गया। यहसही है कि डाक सेवाएं सस्ती और कूरियर सेवाएं मंहगी हैं। किंतु आज भारतीय समाज में पैसा बढ़ा है तो डाक भेजने वाले के लिए सस्ती और मंहगी में ज्यादा फर्क नही रह गया। वह जल्दी से जल्दी अपनी डाक गंतव्य पर पंहुचाना चाहता है।

खाद्य महंगाई कम करना चुनौती, किसानों के असंतोष का निराकरण और आमदनी बढ़ाने की रणनीति पर काम की आस

मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में कृषि परिदृश्य को संवारने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। 18 जून को किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त भेजी, तो 19 जून को खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाया है। हालांकि नई सरकार के सामने कृषि, ग्रामीण विकास, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, घटी हुई कृषि विकास दर, गेहूं भंडारण में कमी, खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने और खाद्य उत्पादों की बर्बादी रोकने और किसानों के असंतोष की चुनौतियां दिखाई दे रही हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 8.2 फीसदी रही, वहीं कृषि विकास दर महज 1.4 फीसदी ही रही है। वर्ष 2023-24 में 3,280 लाख टन उत्पादित खाद्यान्न इसके पूर्ववर्ती वर्ष के रिकॉर्ड 3,290 लाख टन से कम है। एक साल में गेहूं की कीमतें 8-10 फीसदी बढ़ी हैं। अप्रैल 2024 में देश के गोदामों में गेहूं का भंडार घटकर 75 लाख टन रह गया है, जो पिछले 16 साल में भंडारण का सबसे निचला स्तर है। सरकार 1 जून, 2024 तक करीब 266 लाख टन गेहूं खरीद चुकी है, लेकिन लक्ष्य 372 लाख टन है। ऐसे में गेहूं आयात की स्थिति निर्मित हो रही है। खाद्य वस्तुओं की ऊंची दर आम आदमी की बड़ी चिंता बन गई है। यद्यपि मई 2024 में खुदरा महंगाई दर 4.75 प्रतिशत के साथ पिछले 12 माह के निचले स्तर पर पहुंच गई है, लेकिन खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 8.69 प्रतिशत की ऊंचाई पर स्थित है। निस्संदेह कृषि एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न चिंताओं के मद्देनजर ही प्रधानमंत्री मोदी ने पदभार संभालने के बाद अपना सबसे पहला कदम किसान कल्याण और कृषि क्षेत्र की प्रतिबद्धता की डगर पर आगे बढ़ाया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि इस वर्ष मानसून अच्छा रहेगा। यह नई सरकार के लिए अच्छा संकेत है। प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा कहा गया है कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के अच्छे रहने से कृषि गतिविधियों में तेजी आएगी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अनुसंधान विभाग के मुताबिक,?अच्छे मानसून से दाल, तिलहन, अनाज का उत्पादन बढ़ेगा और?इनकी कीमतें कम होंगी। महंगाई के प्रबंधन के लिहाज से खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य उपजों की बर्बादी रोकने से महंगाई पर अंकुश लगेगा। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के खाद्य फसलों की बर्बादी संबंधी आंकड़ों के अनुसार,?भारत में हर साल करीब 15 फीसदी खाद्य उत्पादन नष्ट हो जाता है। इतनी ही बर्बादी?फल और सब्जियों की होती है।?कृषि भंडारण के बुनियादी ढांचे में सुधार से कृषि उपज बर्बादी को कम करने में मदद मिल सकती है। देश की अधिक शीत भंडार गृह और प्रशीतन सुविधाओं की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारत में करीब 30 फीसदी सड़कें कच्ची हैं, जिससे कृषि पैदावार को मंडियों तक ले जाने में काफी समय लगता है। इससे कुछ पैदावार खराब हो जाती है, जिसका असर कीमतों पर पड़ता है। इसलिए फसल बर्बादी रोकने पर जोर देना चाहिए। देश में खाद्यान्न भंडारण की क्षमता फिलहाल 1,450 लाख टन की है, उसे अगले पांच वर्षों में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2,150 लाख टन किए जाने के लक्ष्य को प्राप्त करके ग्रामीण भारत में अभूतपूर्व खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

एआई कमजोर लोकतंत्रों को बेहतर बना सकता है, उन्नत क्षमताओं से निगरानी में भी मदद

पिछले दो वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी की कहानी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इससे उत्पन्न उत्साह एवं व्यवधान का बोलबाला रहा है। हालांकि वर्ष 2023 के उत्तरार्ध में कॉपीराइट, पूर्वाग्रह, निजता और डीपफेक जैसे नैतिक मुद्दों के सामने आने से इस कहानी में थोड़ी कड़वाहट घुलने लगी। दुनिया के अधिकांश लोकतंत्रों में या तो चुनाव हो चुके हैं या होने वाले हैं, इसलिए 2024 में एआई की पहली प्रमुख नैतिक परीक्षा होगी कि वह लोकतंत्र की मदद करेगा या उसे नष्ट कर देगा। भारत में तो चुनाव हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, इंडोनेशिया और अन्य प्रमुख लोकतंत्रों में इस साल महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। हालांकि डीपफेक जेनरेटिव एआई से पहले से ही अस्तित्व में है, लेकिन सोरा और स्टेबल डिफ्यूजन जैसे उत्पादों ने उसके उत्पादन को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे अब बड़े पैमाने पर इसे बनाना आसान, तेज और सस्ता हो गया है। सोशल मीडिया पर भी हम सब शीर्ष पर हैं, जहां व्हाट्सएप, टिकटॉक और इसी तरह के अन्य सोशल मीडिया फ्लेटफॉर्म वैश्विक स्तर पर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश और स्लोवाकिया में चुनाव हुए, जिसमें डीपफेक भी एक पक्ष बन गया। बांग्लादेश के एक विपक्षी नेता को फलस्तीन के समर्थन के मुद्दे पर दुविधा की स्थिति में दिखाया गया, इस तरह का रुख अपनाना उस देश में विनाशकारी है। स्लोवाकिया के चुनाव में भी एक प्रमुख दावेदार ने कथित तौर पर चुनावों में धांधली की बात कही थी और इससे?भी चिंताजनक बात थी कि उन्होंने बीयर की कीमत बढ़ाने की बात की, जो कथित तौर पर उनकी हार का कारण बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की नकली आवाज में लोगों से यह अपील की गई कि वे अमेरिकी प्राइमरी में मतदान नहीं करें। वर्ष 2016 के कैंब्रिज एनालिटिका विवाद की यादें अब भी ताजा हैं। बड़े चुनावों के नजदीक आते ही खतरे की घंटी बज गई है। यहीं पर मैं इसके एक दूसरे पहलू का उल्लेख करना चाहूंगा। जरा पाकिस्तान को देखिए, वहां भी इसी वर्ष की शुरुआत में चुनाव हुए। वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में थे। उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छीन लिया गया और उनके कुछ उम्मीदवारों को धमकाया गया और कुछ को जेल में भी डाल दिया गया। हालांकि अंतत: दूसरी पार्टियों की जीत की घोषणा की गई, लेकिन ज्यादातर खबरें दावा करती हैं कि भारी धांधली और हेराफेरी के बावजूद इमरान खान की पार्टी ने अच्छी सफलता पाई। खान ने जेल में रहते हुए पूरे देश में चुनाव प्रचार करने के लिए जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल किया और इस कहानी को पलट दिया कि एआई लोकतंत्रों को नष्ट करती है। जेनरेटिव?एआई का इस्तेमाल करके उन्होंने मतदाताओं से अपनी पार्टी के लिए मतदान करने का आग्रह करते हुए फुटेज तैयार किया और इसे यूट्यूब और अन्य ऑनलाइन चैनलों पर खूब शेयर किया गया। लोगों ने उनके आह्वान पर ध्यान दिया और रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया, जिससे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को बड़ी संख्या में सफलता मिली। पाकिस्तान ने दिखा दिया कि कैसे एआई का इस्तेमाल करके लोकतंत्र को नष्ट करने के बजाय उसे मजबूती दी जा सकती है। यहां मैं डीपफेक की विनाशकारी शक्ति से इन्कार नहीं कर रहा हूं, और मुझे डर है कि भारत के किसी भी चुनाव और अन्य चुनावों में इसका इस्तेमाल विमर्श को भड़काने और मनगढ़ंत कथानक को आकार देने के लिए किया जा सकता है। हालांकि चुनावों, जो लोकतंत्र का एक मुख्य स्तंभ है, को बेहतर बनाने के लिए एआई बहुत कुछ कर सकता है। पाकिस्तान का उदाहरण इसका रचनात्मक तरीका है। चुनावों में पारदर्शिता, समावेशिता और दक्षता बढ़ाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी उन्नत डाटा विश्लेषण क्षमताएं वास्तविक समय में चुनाव से संबंधित डाटा की निगरानी कर सकती हैं, जिससे धोखाधड़ी का संकेत देने वाली किसी भी अनियमितता की पहचान की जा सकती है। एआई एल्गोरिदम मतदाता पंजीकरण या मतदान में अनियमितताओं के पैटर्न का पता लगा सकते हैं। एआई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम की सुरक्षा में भी सुधार कर सकता है। इसके अतिरिक्त, खतरे का पता लगाने वाले एल्गोरिदम संभावित साइबर खतरों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं। जेनरेटिव एआई स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके स्थानीय बोली में उम्मीदवारों और उनके घोषणापत्रों पर बेहद व्यक्तिगत सामग्री तैयार करते हुए मतदाताओं की शिक्षा और जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह व्यक्तिगत दृष्टिकोण राजनीतिक जागरूकता बढ़ा सकता है और विशेष रूप से हाशिये पर पड़े समूहों के लोगों को सोच-समझकर मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। जेनरेटिव एआई इस काम को बड़े पैमाने पर, बहुत कम लागत में, उच्च दक्षता के साथ करने में मदद कर सकता है, जिससे कम पैसे वाले उम्मीदवार भी सशक्त बन सकेंगे। एआई द्वारा संचालित प्रणालियां दिव्यांग मतदाताओं की पहुंच को भी बढ़ा सकती हैं। उदाहरण के लिए, एआई द्वारा संचालित ध्वनि पहचान प्रणालियां दृष्टि बाधित मतदाताओं को मतदान करने में सहायता कर सकती हैं। एआई जनसांख्यिकीय समूहों में जनता की राय जानने के लिए सोशल मीडिया पर मौजूद सूचनाओं का विश्लेषण कर सकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि राजनीतिक विमर्श में समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। यहां तक कि इसकी मदद से चुनाव की लॉजिस्टिक प्रक्रिया में भी सुधार करके लागत बचाई जा सकती है, जो कि भारत जैसे विशाल देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एआई मतदाता पंजीकरण और सत्यापन को बेहद कुशल बनाने में मदद कर सकता है, समय पर पात्रता सत्यापित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक डाटा हासिल कर लंबी कतारों को समाप्त कर सकता है। एआई दोधारी प्रौद्योगिकी है, जिसके बहुत सारे लाभ हैं, तो इसमें विनाशकारी शक्ति भी है। जब हम डीपफेक के जरिये चुनावों पर पड़ने वाले इसके प्रतिकूल प्रभाव को रोकने की कोशिश करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि यह हमारे कमजोर लोकतंत्रों को कैसे बेहतर बना सकता है। भले कमजोर ढंग से ही सही, इमरान खान की पार्टी दुनिया को इसकी इस क्षमता को दिखाने में सफल रही।

कल्कि 2898 एडी हुई रिलीज, एक्स पर पब्लिक बोल रही है - हॉलीवुड की टक्कर की फिल्म बनाई है!

कल्कि 2898 एडी सिनेमाघरों में आज रिलीज हो चुकी है। अमिताभ बचन, प्रभास और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स से सजी यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। एक्स यानी ट्वीटर पर यूजर्स आज ही इस फिल्म को ब्लॉकबस्टर घोषित कर चुके हैं। कुछ यूजर्स ने तो प्रभास को पूरी दुनिया का सबसे बेहतरीन सितारा तक बोल दिया है। आइए आपको बताते हैं कि बाकि की पब्लिक क्या बोल रही है साल 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी के सिनेमाघरों में रिलीज चुकी है। साउथ में सुबह 4 बजे से ही दर्शक इस फिल्म को देख रहे हैं। कल्कि 2898 एडी को देखकर जो भी निकल रहा है उनके मुंह से फिल्म के लिए सिर्फ तारीफ ही निकल रही है। एक यूजर ने फिल्म के बारे में बातें करते हुए कहा, यह फिल्म प्रभास की अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे सच में इंडस्ट्री के बाहुबली हैं। कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसे दुनिया भर में लगभग 8500 स्क्रीन पर रिलीज किया गया है। दर्शकों में

इस फिल्म को लेकर अलग लेवल का उत्साह देखने को मिल रहा है। कल्कि 2898 एडी के बारे में बातें करते हुए एक दर्शक ने कहा, यह फिल्म इतिहास और भविष्य का सुंदर संगम है। इसमें महाभारत और फ्यूचर को एक साथ दिखाया गया है। जिसे देखकर काफी मजा आ रहा है। इस फिल्म में प्रभास का एक्शन लाजवाब है। कल्कि 2898 एडी की धमाकेदार रिलीज हो चुकी है। कुछ यूजर्स इस फिल्म को देखने के बाद कह रहे हैं कि कल से सिनेमाघरों में भयंकर भीड़ देखने को मिलने वाली है। इस फिल्म का हॉलीवुड के टक्कर का है। एक ट्विटर यूजर ने अपने अकाउंट से फिल्म के बारे लिखा है, फिल्म का क्लाइमेक्स जबरदस्त है। आप जो नहीं सोच रहे होंगे वही इस फिल्म में होगा। कल्कि 2898 एडी के रिलीज के बाद कुछ ट्विटर यूजर आज के दिन को नागी डे कह कर बुला रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, आप जैसा सिनेमा कोई नहीं बना सकता है। आप में अलग दृष्टि से सिनेमा को देखते हैं। महाभारत का जो दृश्य है वह जादुई है। प्रभास ने तो इस फिल्म में कमाल ही कर दिया है।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर की 10 दिन की शूटिंग बाकी, लेकिन इस वजह से शूट करने में लगेगा समय

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर की रिलीज की तारीख से अभी तक परदा नहीं उठ पाया है। इस फिल्म पर तीन साल से काम चल रहा है, लेकिन अभी तक शूटिंग पूरी नहीं हो पाई। इस वजह से राम चरण के फैंस इसका इंतजार करते-करते थक से गए हैं। इसी बीच, अब फिल्म के निर्देशक की ओर से एक बहुत जानकारी साझा की गई है।

इंडियन 2 के प्रचार में व्यस्त हैं शंकर

एक साक्षात्कार में गेम चेंजर का निर्देशन कर रहे शंकर ने बताया कि फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अब 10 दिन की शूटिंग और बची है। बता दें कि शंकर इन दिनों अपनी एक और फिल्म इंडियन 2 के प्रचार में व्यस्त में हैं। इस फिल्म में कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं और इसे 12 जुलाई, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

इंडियन 2 की रिलीज के बाद प्रोडक्शन का काम पूरा करेंगे शंकर

शंकर ने बताया कि जब इंडियन 2 रिलीज हो जाएगी तो उसके बाद वो गेम चेंजर के प्रोडक्शन का काम पूरा करेंगे। इसके बाद फिल्म की फाइनल फुटेज को लॉक करेंगे और फिर पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू हो जाएगा। सारा काम खत्म होने के बाद ही रिलीज को लेकर कोई फैसला लिया जाएगा। शंकर ने यह भी कहा कि गेम चेंजर को जल्द से जल्द रिलीज किया जाएगा।

ये कलाकार आएंगे नजर

गेम चेंजर एक राजनीतिक थ्रिलर फिल्म है। इसमें राम चरण के साथ-साथ कियारा आडवाणी भी मुख्य किरदार निभा रही है। इनके अलावा एसजे सूर्या, जयराम, नवीन चंद्रा, समुथिरकानी, अंजलि और श्रीकांत भी अभिनय करते हुए नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा किया गया है। इसमें एसएस थमन का संगीत सुनने को मिलेगा।

द ब्लफ की शूटिंग से ब्रेक लेकर निक से मिलीं प्रियंका चोपड़ा, तस्वीरें साझा कर लुटाया प्यार

बॉलीवुड की देसी गर्ल अब हॉलीवुड में भी मशहूर हो चुकी हैं। इन दिनों प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी फिल्म द ब्लफ की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म के लिए वे ऑस्ट्रेलिया में रह रही हैं। वहीं अभिनेत्री ने अपने इंस्टग्राम हैंडल से अपनी कुछ तस्वीरों को साझा किया है। तस्वीरों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे शूटिंग से ब्रेक लेकर अपने पति निक और अपने परिवार से मिली हैं।

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अक्सर अपने इंस्टाग्राम से अपनी जिंदगी की झलक को अपने फैंस के संग साझा करती नजर आती हैं। आज भी थोड़ी देर पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट साझा किया है जिसमें वे ग्रीन ड्रेस में अपने पति निक संग क्वालिटी समय बिताती नजर आ रही हैं। वहीं एक अन्य तस्वीर में प्रियंका की बेटी मालती अपने पापा संग दिख रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा से मिलने के लिए उनकी मां डॉक्टर मधु भी वहां पहुंची दिख रही हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा है, मेरी जिंदगी के ये दिन। सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा की ये तस्वीरें काफी वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री ने कुछ ही घंटों पहले इन तस्वीरों को साझा किया है और इन

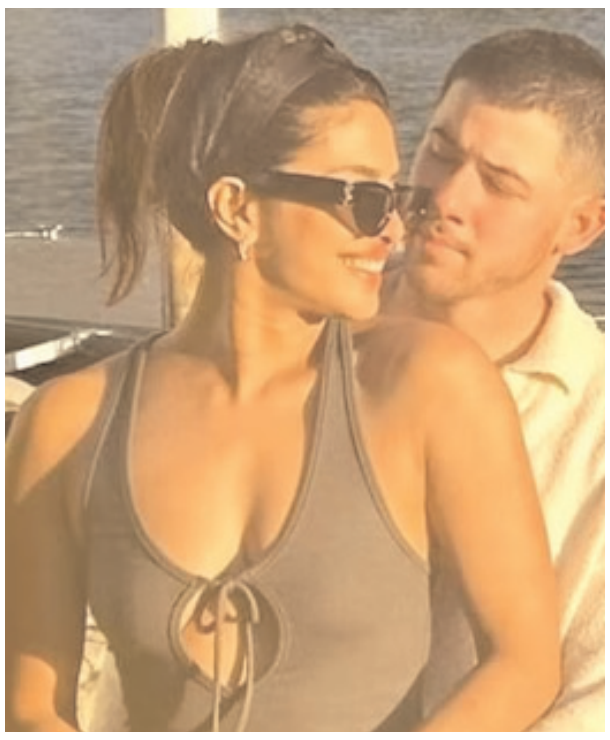

तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इन तस्वीरों के संग अपनी चोट वाली तस्वीरों को साझा किया है। इसके पहले भी वे अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी चोट फोटो को अपने फैंस के संग साझा करते हुए लिखा था, ओह ये चोट मेरे काम की निशानी हैं।

प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी फिल्म द ब्लफ को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। फ्रैंक ई फ्लावर्स द्वारा निर्देशित फिल्म द ब्लफ की कहानी 19वीं सदी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। सूत्रों की मानें तो प्रियंका इस फिल्म में महिला समुद्री डाकू की किरदार में नजर आने वाली हैं।

इन दो साउथ सितारों का 'कल्कि' में दिखेगा जबर्दस्त कैमियो, अश्विन ने खुद ही कर दिया खुलासा

कल्कि 2898 एडी ने आज यानी 27 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। ऐसे कहा जा रहा है कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा, लेकिन टीम की तरफ से कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। हालांकि, फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन ने खुद पुष्टि की है कि फिल्म का दूसरा पार्ट बन रहा है और यह अगले तीन वर्षों में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।फिल्म पर अपडेट देते हुए उन्होंने कहा कि टीम फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर पूरी तरह उत्साहित है। हाल ही में नाग अश्विन ने प्रभास के साथ इंस्टाग्राम पर एक लाइव बातचीत में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने फिल्म में कैमियो को लेकर भी दिलचस्प खुलासा कर दिया। उन्होंने कहा कि विजय देवरकोंडा और दुलकर सलमान कैमियो में नजर आएंगे। इस दिलचस्प खुलासे के बाद फैंस का उत्साह और अधिक बढ़ गया है। कल्कि 2898 एडी की धूम इन दिनों हर तरफ देखने को मिल रही है। इस साइंस-फिक्शन एंटरटेनर को देखने के लिए लोग की लंबी कतारें सिनेमाघरों के बाहर नजर आ रही है।एडवांस बुकिंग में ही इस फिल्म ने केवल भारत में 50 करोड़ से अधिक की कमाई की है। देश के साथ विदेश में भी कल्कि 2898 एडी धमाल मचाने को तैयार है। उत्तर अमेरिका में फिल्म को जबर्दस्त ओपनिंग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।माना जा रहा है कि पहले दिन कलेक्शन के मामले में यह कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लेगी। फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण जैसे बड़े कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कल्कि 2898 एडी का निर्माण वैजयंती मूवीज के बैनर तले हुआ है।

बॉक्स ऑफिस पर इनसाइड आउट 2 की दहाड़ जारी, घरेलू स्तर पर शीर्ष 10 एनिमेटेड फिल्मों में हुई शामिल

इनसाइड आउट 2 की दहाड़ बॉक्स ऑफिस पर जारी है। डिनी/पिक्सर की यह फिल्म लगातार कामयाबी के झंडे गाड़ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार तक इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 79.97 करोड़ डॉलर की कमाई कर ली। अंतर्राष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस के 44 विदेशी बाजारों से फिल्म ने 41.19 करोड़ डॉलर की कमाई की है। उत्तरी अमेरिका में भी यह फिल्म धमाल मचा रही है। यहां फिल्म ने 38.78 करोड़ डॉलर बटोर डाले हैं। यह फिल्म घरेलू एनिमेटेड फिल्मों की सूची में कई अन्य फिल्मों की तुलना में काफी ऊपर है।

12 दिन में फिल्म ने मचाया धमाल

फिल्म के घरेलू बॉक्स ऑफिस के प्रदर्शन की बात करें तो रिलीज के 12 दिनों के बाद यह सीक्वल फिल्म उत्तरी अमेरिका में 10वें पायदान पर है। इस फिल्म ने मिनियन्स द राइज ऑफ ग्रू (37 करोड़ डॉलर), फाइंडिंग निमो (38.1 करोड़ डॉलर) और स्पाइडर-मैन: एक्रॉस द स्पाइडर-वर्स (38.2 करोड़ डॉलर) को पीछे छोड़ दिया है। घरेलू स्तर पर यह फिल्म जल्द ही डिनी की ही साल 2013 की एनिमेटेड फिल्म फ्रोजन को पीछे छोड़ देगी।

पहले भाग का तोड़ेगी रिकॉर्ड

दुनियाभर में यह चर्चा है कि फिल्म 100 करोड़ डॉलर के आंकड़े को पार कर पाएगी या नहीं, जबकि केल्सी मान के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपने पहले भाग के कलेक्शन 85.9 करोड़ डॉलर को पार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मंगलवार को इनसाइड आउट 2 ने उत्तरी अमेरिका में एक करोड़ 84 लाख डॉलर की कमाई की। पिछले साल के दिसंबर महीने के बाद से यह किसी भी एनिमेटेड फिल्म के लिए सबसे बड़ा दूसरा मंगलवार था।

विदेशी बॉक्स ऑफिस से हुई इतनी कमाई

मंगलवार तक फिल्म ने शीर्ष विदेशी बाजार मैक्सिको में (6.84 करोड़), यूके में (3.11 करोड़), कोरिया (3.04 करोड़), ब्राजील में (2.33 करोड़), इटली में (2.24 करोड़), जर्मनी में (1.9 करोड़), अर्जेंटीना (1.6 करोड़), स्पेन में (1.57 करोड़), फ्रांस में (1.49 करोड़) और ऑस्ट्रेलिया (1.38 करोड़) डॉलर बटोरे लिए थे। जापान में यह फिल्म अभी रिलीज होनी बाकी है। 1 अगस्त को यह फिल्म वहां के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

राशन की कमी से टूटा इस प्रतियोगी के सब्र का बांध, बिग बॉस को दे दी कानूनी कार्रवाई की धमकी!

बिग बॉस ओटीटी 3 अपनी शुरुआत से ही सुर्खियों में बना हुआ है। प्रतियोगी पहले दिन से ही षड़यंत्र रचते नजर आ रहे हैं। शो में कई हंगामे और लड़ाई-झगड़े देखने को मिल चुके हैं। हालिया एपिसोड में प्रतिभागी राशन टास्क हार गए। इसके बाद बिग बॉस ने सजा के तौर पर घरवालों के राशन में कटौती कर दी। इसी बीच सना मकबूल, बिग बॉस से खाने को लेकर शिकायत करती नजर आईं। साथ ही महज पानी और फलों पर जीवित रहने को लेकर कुछ ऐसा कह दिया, जिससे प्रतिभागी समेत बिग बॉस भी दंग रह गए।

सना मकबूल की बिग बॉस को धमकी

हालिया एपिसोड में सना मकबूल ने खाने की कमी के कारण अपना आपा खो दिया और निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने निर्माताओं की आलोचना की और कहा कि भुखमरी मेरे कॉन्ट्रैक्ट में नहीं है और अगर यह मामला है, तो हम कानूनी रूप से चीजों से निपटेंगे। अनजान लोगों के लिए घर के सदस्यों को दिए गए बजट के मुकाबले राशन खत्म हो गया जिसके बाद बिग बॉस ने उनसे केवल फल और पानी पर जीवित रहने को कहा।

दो गुटों में बंटे सोशल मीडिया यूजर्स

एक्स हैंडल बिग बॉस तक पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी गई है। वहीं, इस पर टिप्पणी करते हुए एक यूजर ने लिखा है, सना मकबूल यह सब सिर्फ फुटेज के लिए कर रही हैं। दूसरे ने लिखा, बिग बॉस धैर्य का खेल है... ना तो ये रुबीना हैं ना ये पहले वाले बिग बॉस हैं। वहीं, एक अन्य ने सना का समर्थन करते हुए लिखा, यह सही नहीं हैं कि आप उन्हें अपने शो में ले रहे हैं और उनके साथ इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने यह भी कहा, लोगों को बुनियादी राशन नहीं देना पूरी तरह से अस्वीकार्य है, भले ही उन्होंने पिछले राशन का कितना भी कुप्रबंधन किया हो, यह पहले बेहतर हुआ करता था जब असीमित बुनियादी राशन हुआ करता था और लोगों को लक्जरी राशन के लिए लड़ना पड़ता था।

इस हफ्ते कटेगा इस प्रतियोगी का पत्ता!

बिग बॉस ओटीटी 3 में अरमान मलिक, शिवानी कुमारी, चंद्रिका दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल, साई केतन राव, सना मकबूल, रणवीर शौरी, दीपक चौरसिया और अन्य शामिल हैं। वहीं, इस शो की मेजबानी की कमान अनिल कपूर ने संभाली है। जानकारी हो कि इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए शिवानी कुमारी और नीरज गोयत नॉमिनेट हैं। साथ ही कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो इस हफ्ते नीरज गोयत का पत्ता कटने वाला है।

कटनी में सैकडो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं ने कलेक्ट्रेट गेट के सामने किया प्रदर्शन

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी जिले की सैकडो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं ने कलेक्ट्रेट गेट के सामने धरना देते हुए जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। ये सभी अपनी 16 सूत्री मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची थी। इन कार्यकर्ताओं की मुख्य मांगे उनका मानदेय बढ़ाए जाए वही 3 वर्ष से लेकर 6 वर्ष के बच्चो को जो सरकारी स्कूलों में प्रवेश देने की बात सरकार कर रही है उसे बंद किया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि उनकी मुख्य मांगे उनका मानदेय बढ़ाया जाए वहीं उनके रिटायरमेंट के बाद उन्हें एक मुस्त रकम दी जाए वहीं वर्तमान में जो सरकार 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश देने की बात कर रही है उसे बंद किया जाए

इसका मुख्य कारण यह है कि 3 वर्ष से 6 वर्ष जो आंगनबाड़ी नहीं आ पाते हैं जिससे अगाबड़ियो में बच्ची की संख्या कम हो रही है। साथ ही आंगनवाड़ी में बच्चों को घर-घर जाकर बुलाना पड़ता है जिसकी वजह से वह पूरे समय आंगनबाड़ी केंद्रों पर नहीं उपस्थित हो पाती हैं और आंगनबाड़ी का कार्य भी बाधित होता है। साथी आंगनवाड़ी में के जी 1 और के जी 2 की क्लासेस भी आंगनबाड़ी केंद्रों में लगाई जाए इसके अलावा अन्य कई मांगों को लेकर यह सभी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट गेट के सामने धरना दे जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम आंगनबाड़ी के अधिकारियों को ज्ञापन सौप है।

मध्यप्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा

कटनी में तीसरे मामले के रूप में एयर एम्बुलेंस सेवा ने बचाई कटनी जिले के हेड कांस्टेबल ललित राय की जान

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत किये जाने के बाद आपात स्थिति में उपचार के लिये पीड़ित को इस सेवा का उपयोग कर उच्च चिकित्सा संस्थान भेजे जाने का कटनी जिले का प्रकरण प्रदेश का तीसरा प्रकरण है।
कटनी जिले के एस ए एफ बटालियन शिवपुरी के कैंप कटनी के दुर्घटनाग्रस्त हेड कांस्टेबल ललित राय को डुमना एयर पोर्ट से एयर एंबुलेंस से भोपाल एम्स इलाज हेतु ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त हेड कांस्टेबल ललित राय 7 जून की रात्रि झिंझरी के पास बोलेरो की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका जबलपुर के एक निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। इसके पहले बीते दिनों रीवा से मऊगंज जिले के गोविंदलाल तिवारी को आपात

स्थिति में ह्रदय रोग के उपचार हेतु एयर एंबुलेंस से भोपाल ले जाया गया था । मऊगंज के गोविंदलाल तिवारी एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ पाने वाले प्रदेश के पहले हितग्राही हैं। जबकि पन्ना जिले के नागरिक रामगोपाल तिवारी को मध्यप्रदेश सरकार की एयर एंबुलेंस सेवा के माध्यम से खजुराहो से भोपाल एयरलिफ्ट कराकर उन्हें उच्च स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके बाद आज बुधवार को जबलपुर के डुमना विमानतल से कटनी के दुर्घटनाग्रस्त पुलिस हेड कांस्टेबल ललित राय, जो जबलपुर के निजी चिकित्सालय में उपचाररत थे , उन्हें आपात स्थिति में एयर एंबुलेंस सेवा से उपचार हेतु भेजे जाने वाले ललित राय प्रदेश के तीसरे हितग्राही हैं। वही इन्हें छोड़ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह डूमना एयरपोर्ट पहुंचे थे।

कृषि उपज मंडी दमोह में 15 जुलाई को होगा मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह सम्मेलन

आवेदन जनपद पंचायत दमोह में 08 जुलाई 2024 तक किये जायेंगे जमा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, जनपद पंचायत दमोह के सभाकक्ष में पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया की अध्यक्षता में सामूहिक विवाह/निकाह आयोजन के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि म.प्र. की निवासी कन्या जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है, सम्मेलन में सम्मिलित हो सकतीं है। आवेदन 08 जुलाई 2024 तक जनपद पंचायत दमोह में जमा किये जायेंगे। जनपद पंचायत दमोह के अतिरिक्त म.प्र. के अन्य ग्रामीण/नगरीय निकाय की कन्या का आवेदन संबंधित जनपद पंचायत/नगर पालिका के प्रमुख की अनुशंसा के बाद

जनपद पंचायत दमोह में जमा हो सकेंगे। वर-वधू की समग्र आईडी में ई-केवायसी होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ कन्या एवं वर की समग्र आईडी, आधार कार्ड, उम्र प्रमाण हेतु अंकसूची/ स्थानांतरण प्रमाण पत्र/ वोटर कार्ड/ चिकित्सक का प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, कल्याणी (विधवा) होने की स्थिति में पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, परित्यकता होने की स्थिति में तलाक का न्यायालयीन आदेश संलग्न करना अनिवार्य है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया निरीक्षण

विद्यालय संचालन के संदर्भ में दिये गये निर्देशों के तहत सभी प्राचार्यों के द्वारा पालन करना अनिवार्य

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत अधिकारियों द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एस के नेमा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांदकपुर, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिंडोरिया एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिंडोरिया का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सत्र के प्रारंभ में विद्यालय संचालन के संदर्भ में दिये गये निर्देशों के तहत सभी प्राचार्यों के द्वारा पालन करना अनिवार्य है। शिक्षक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से अभिभावकों तक संदेश भेजें कि

विद्यालयों में पढ़ाई प्रारंभ हो गई हैं। उन्होंने कहा सभी विद्यार्थी नियमित विद्यालय आएं, मैसेज के साथ-साथ शिक्षक फोन के माध्यम से भी अभिभावकों से निरंतर बात करें। जिला शिक्षा अधिकारी नेमा ने कम उपस्थिति के कारण प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांदकपुर एवं शासकीय बालक हिंडोरिया के प्राचार्य को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया हैं।

दमोह में चला प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान

चिन्हित जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का विशेषज्ञ द्वारा आज किया जायेगा स्वास्थ्य परीक्षण

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि 27 जून को जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल हटा, एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जटाशंकर (बीड़ी कालोनी) सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत समुदाय एवं संस्था स्तर पर चिन्हित उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण जांच, समुचित उपचार सेवायें विशेषज्ञों द्वारा दी जायेगी। चिन्हित जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को स्त्री रोग विशेषज्ञ दक्षता स्किल एम.ओ. द्वारा सेवायें दी जायेगी। इन सभी संस्थाओं में स्वास्थ्य जांच के लिए आने वाली जोखिम वाली महिलाओं की सूची तैयार की गई है। संबंधितों को क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता द्वारा विशेष स्वास्थ्य जांच परीक्षण क्लीनिक में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाने जानकारी भी दी गई है। ज्ञातव्य है कि हर माह की 9 एवं 25 तारीख को ई.पी.एम.एस.एम.ए. के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में जोखिम वाली चिन्हित गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य जांच, परीक्षण एवं समुचित उपचार हेतु विशेष क्लीनिक आयोजित किये जाते हैं। तीन दिवसीय पल्स पोलियों अभियान 23 से 25 संचालित होने की वजह से ई.पी.एम.एस.एम.ए. क्लीनिक आज 27 जून को आयोजित किये जा रहे है।

मध्य प्रदेश के लिए कार्यालय खुलने का यूनिफार्म समय लागू

एक जैसा समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक , सभी कार्यालयों के लिए निर्धारित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा आदेश की पृष्ठभूमि जितना मैं जानता हूं वह यह है कि प्रदेश में अलग-अलग जगह पर कार्यालय खुलने के समय अलग-अलग थे, कहीं 10:30 से 5:30 तक, कहीं 10 से 5 था, तो कहीं अन्य समय था। इसलिए आज पूरे मध्य प्रदेश के लिए यूनिफार्म समय लागू कर दिया गया है, एक जैसा समय सभी कार्यालयों के लिए हो गया है, सुबह 10 बजे से शाम को 6:00 बजे तक। यहां पर पहले से ही यही समय लागू है इसलिए हम लगातार इसका पालन कड़ाई से सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया आज कलेक्ट्रेट में आकस्मिक निरीक्षण किया था जिसमें जो अधिकारी-कर्मचारी देर से आए हैं, उन सभी की एब्सेंट लगाई गई है और उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर भाकियू ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

मोके पर युवा जिलाध्यक्ष सौरव त्यागी एवं काफी संख्या में किसान मौजूद रहे

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अशोक त्यागी ने किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सरकार को अवगत कराया गया कि सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं के कारण किसानों की फसल खराब हो रही है जिससे चलते किसानो को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। महानगराध्यक्ष डॉ. खालिद ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा

कि किसानों का गन्ने का भाव आगामी सत्र में 500 रूपये होना चाहिये। युवा प्रदेश अध्यक्ष रईस मलिक ने कहा कि ट्यूबवैल के बिल बिना शर्तों के माफ होने चाहिये। बैठक में मुख्य रूप से युवा जिलाध्यक्ष सौरव त्यागी, सुल्तान अहमद, दीपक त्यागी, हाजी अलीम सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

अंबेडकर भवन, कचौरा शॉपिंग सेंटर में खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण फोस्टेक ट्रेनिंग संपन्न

खाद्य सामग्री को सुरक्षित रूप से निर्मित, संग्रहित एवं विक्रय करने के बताए गए तरीके

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत दमोह जिले के खाद्य व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी प्रदान कर प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) की फोस्टेक ट्रेनिंग कार्यक्रम के तहत कचौरा शॉपिंग सेंटर स्थित अंबेडकर भवन, दमोह में अभिहित अधिकारी (डी.ओ.) खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दमोह माधवी बुधौलिया के सहयोग से फोस्टेक अधिकृत ट्रेनर विवेक पाठक,

अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति के एम.पी. स्टेट हेड अंकित तोवानी एवं जिला प्रभारी अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति राजेश विश्वकर्मा द्वारा दमोह जिले के खाद्य व्यापारियों का खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में दमोह जिले के लगभग 200 खाद्य व्यापारियों ने प्रतिभागी बनकर खाद्य सुरक्षा से संबंधित नियमों एवं प्रावधानों के बारे में अनिवार्य आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एफ.एस.एस.ए.आई. भारत सरकार द्वारा खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा सुपरवाइजर के रूप में प्रत्येक दो वर्ष में एक बार ऑफलाइन फोस्टेक ट्रेनिंग प्राप्त करना अनिवार्य है। उक्त फोस्टेक ट्रेनिंग अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति द्वारा दमोह जिले के खाद्य व्यापारियों को प्रदान किया गया है। खाद्य व्यापारियों ने प्रशिक्षण में खाद्य सुरक्षा कानून, नियमों एवं प्रावधानों से संबंधित जिज्ञासाओं को फोस्टैक ट्रेनर के समक्ष रखा जिनका मौके पर समाधान किया गया।फोस्टेक ट्रेनर विवेक पाठक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित दमोह जिले के सभी खाद्य व्यापारियों को फसलों में अनियंत्रित रूप से उपयोग किए जा रहे कीटनाशकों के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहने के लिये कहा एवं थोड़े सा आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट करने के कार्य से दूर रहने की समझाइश दी।

मनीष बंसल बनाए गए सहारनपुर के नए जिलाधिकारी, रोहित सिंह सजवान बनाए गए सहारनपुर के नए एसएसपी

सहारनपुर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष आशीष कुमार डीएम हाथरस बनाए गए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।
सहारनपुर, लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार की गाज अफसरों पर गिरना तय माना जा रहा था। उसी परिप्रेक्ष में सहारनपुर के जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। उनके स्थान पर शासन ने जिलाधिकारी संभल मनीष बंसल को भेजा है। मनीष बंसल 2014 बैच के आईएएस हैं। सहारनपुर प्राधिकारण के उपाध्यक्ष युवा आईएएस आशीष कुमार को जिलाधिकारी हाथरस के पद पर भेजा गया है। आशीष कुमार की छवि तेज-तर्रार और ईमानदार अधिकारी

की है। दिनेश चंद्र सिंह सहारनपुर में 13 माह पांच दिन जिलाधिकारी के पद पर रहे।
सहारनपुर में करीब दो साल एसएसपी पद पर रहे डा. विपिन ताडा को मेरठ में इसी पद पर भेजा गया है। उनके स्थान पर मेरठ से रोहित सिंह सजवान को भेजा गया है। रोहित सजवान मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले हैं। एक-दो दिन में नए अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने की उम्मीद है। स्थानांतरित जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र प्रशासनिक कार्यकुशलता के साथ सामाजिक दायित्वों के निवर्हन को लेकर भी पसंद किए जाते हैं। वह सहारनपुर में एसडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम के पद पर भी पूर्व में कार्य कर चुके है।

बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप

बसंत कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने सात पदक जीतकर किया क्षेत्र का नाम रोशन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । देवबंद, बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में बसंत कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने सात पदक जीतकर अपनी एकेडमी और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोच बसंत उपाध्याय ने बताया कि पूरे भारत से 600 खिलाड़ियों ने प्रतिभा दिखाई।

उपाध्याय ने बताया कि बसंत कराटे अकादमी के हरमन सिंह, आयुष कुमार, अनिकेत कुमार ने मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता, लक्ष्मी ने रजत पदक जीता, काटा इवेंट में हरमन सिंह ने स्वर्ण पदक , लक्ष्मी ने सिल्वर, आयुष ने कांस्य जीता। कराटे कोच बसंत उपाध्याय ने बताया कि वहां के कैबिनेट मंत्री पाठक जी, संस्थापक विनोद कुमार वर्मा, रंजन जी ने खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

जिला स्तरीय भूतपूर्व सैनिक रैली एवं रोजगार मेले का किया गया आयोजन

250 से अधिक पूर्व सैनिक व परिजनों एवं युवाओ ने रोजगार मेला में की भागीदारी

गुना

शिक्षित बेरोजगारों को निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा दिये गये 55 ऑफर लेटर

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिला सैनिक कल्याण एवं जिला रोजगार कार्यालय द्वारा दिनांक 26 जून 2024 को पूर्व सैनिकों/ सैनिक विधवाओं व उनके आश्रितों के लिए शुभ बिदाई गार्डन, जिला पंचायत रेस्ट हाउस गुना में जिला स्तरीय पूर्व सैनिक रैली एवं रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 250 से अधिक पूर्व सैनिकों/ सैनिक विधवाओं व उनके आश्रितों ने भाग लिया। इस रैली में मुख्य अतिथि कर्नल भानु प्रताप सिंह (से.नि.) थे। इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.एस. मीना, प्रबंधक जिला व्यापार एव उद्योग केंद्र श्री आर.के. जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (आई एन) सत्य प्रकाश श्रीवास्तव (से.नि) ने बताया कि आज इस कार्यकम का मुख्य उद्देश्य सैनिकों के परिवारों को एक ही छत के नीचे समस्त सुविधाओं को उपलब्ध कराना व उनकी समस्याओं का निराकरण करना और नई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना था। इसको दृष्टिगत रखते हुए अनेक एजेंसियों जैसे ई.सी.एच.एस., अभिलेख कार्यालय ईएमई, अभिलेख कार्यालय सिग्नल रिकॉर्ड, अभिलेख कार्यालय आर्टीलरी रिकार्ड, भारतीय स्टेट बैंक आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, केनरा बैंक, सदुरु नेत्र चिकित्सालय, जिला स्वास्थ्य केंद्र द्वारा पूर्व सैनिकों का स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया गया एवं उन्हें निःशुल्क दवाईयां उपलब्ध कराई गयीं। **शिक्षित बेरोजगारों को निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा दिये गये 55 ऑफर लेटर** जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.एस. मीना ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय द्वारा निजी क्षेत्र की कंपनियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया। जिसमें चेकमेट सिक्युरिटी सर्विस गुजरात, एलएंडटी गुना,आईईईएस गुना एवं एलआईसी गुना आदि के स्टाल लगाये गए। इन समस्त स्टालों में पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों ने पहुंचकर सुविधाओं का लाभ उठाया। उपस्थित कंपनियों द्वारा 55 युवकों को ऑफर लेटर प्रदान किये साथ ही उन्होंने अवगत कराया कि अग्निवीर पद की भर्ती के लिए इस कार्यालय द्वारा समय-समय पर मार्गदर्शन दिया जाता है। सेना द्वारा जब भी विज्ञापन जारी होता है उसकी जानकारी समाचार पत्रों एवं मीडिया में उपलब्ध कराई जाती है, इसका लाभ उठाने की अपील की गई। इसी प्रकार शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी श्री आरके जैन प्रबंधक जिला व्यापार उद्योग केंद्र द्वारा दी गई। इसी प्रकार भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक श्री दीपेंद्र रघुवंशी द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के लिए बैंक से संबंधित उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं एवं बैंक खाता संचालन के संबंध में विसतृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान द्वितीय विश्व युद्ध के नान पेंशनर, वीर नारी युद्ध में हताहत सैनिकों एवं वरिष्ठ भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन केप्टन श्री महावीर सिंह सिसोदिया कल्याण संयोजक जिला सैनिक कार्यालय द्वारा किया गया।

स्थानीय युवाओं द्वारा किया जाएगा डिजिटल क्रॉप सर्वे

प्रमुख सचिव द्वारा वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से की गई राजस्व कार्यो की समीक्षा

नर्मदापुरम

प्रमुख सचिव श्री निकुंज श्रीवास्तव द्वारा बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व विभाग एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण द्वारा मानव एवं आधुनिक तकनीक से खरीफ 2024 की गिरदावरी हेतु दिशा-निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने बताया कि स्थानीय युवाओं द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण किया जाएगा। स्थानीय युवा 45 दिन में सर्वे कर मोबाइल ऐप में पार्सल जियो फेस से खेत में उपस्थित होकर आधुनिक तकनीक से फसल की फोटो लेकर मोबाइल ऐप पर डालेंगे। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण में मानव एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। ऐप से लिए गए फोटो से फसल की पहचान की जाएगी। जिसका सत्यापन तहसीलदार एवं पटवारी करेंगे। बताया गया कि डिजिटल क्राप सर्वेक्षण करने के लिए स्थानीय युवक को निकटतम ग्राम पंचायत का निवासी होना चाहिए। उसके पास एंड्राइड वर्जन 6 प्लस वाला स्मार्ट फोन जिसमें इंटरनेट की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। स्थानीय सर्वेयर की आयु 18 से 40 वर्ष एवं वह कक्षा 8वीं उतीर्ण होना चाहिए। प्रमुख सचिव ने डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण द्वारा मानव एवं आधुनिक तकनीक से खरीफ 2024 की गिरदावरी हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि भू-लेख पोर्टल पर स्थानीय युवा (सर्वेयर) का पंजीयन कर सारा एप के माध्यम से फसल सर्वेक्षण कार्य मोबाइल से किया जाएगा। सर्वेयर लॉगिन करने के उपरांत आवंटित ग्राम / सर्वे नंबर का डाटा डाउनलोड कर सर्वेक्षण का डाटा पार्सल लेवल जियो फेंस के माध्यम से खेत में प्रत्येक फसल का फोटो लेकर अपलोड कर सकेगा। सर्वेयर द्वारा भरी गई जानकारी तथा सैटेलाइट इमेज से प्राप्त जानकारी का सत्यापन पटवारी (सुपरवाइजर) द्वारा किया जाएगा। सुपरवाइजर द्वारा असहमत होने पर पुनरावलोकन एवं सर्वेक्षण हेतु डाटा स्थानीय युवा (सर्वेयर) को भेजा जाएगा। प्रमुख सचिव ने स्पष्ट किया कि जांच अधिकारी द्वारा 20% ग्रामों के खसरे की जांच की जाएगी। वेरिफाय (तहसीलदार) द्वारा प्रत्येक ग्राम के 1न्न विसंगति खसरों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। सर्वेयर पंजीयन कार्य 10 जुलाई 2024 से शुरू होगी, किसान द्वारा गिरदावरी कार्य 01 अगस्त 2024 से 15 सितम्बर 2024 तक किया जा सकेगा। किसान असहमत होने पर दावा/आपत्ति ऑनलाइन सारा एप के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है जिसका निराकरण पार्सल लेवल जियो फेंस के माध्यम से खेत की फोटो अपलोड कर किया जाएगा। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण तकनीक के उपयोग से फसल सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता तथा गुणवत्तापूर्ण गिरदावरी की जा सकेगी। साथ ही द्वारा मौसम पूर्वानुमान, अतिवृष्टि/बाढ एवं आकाशीय बिजली के संबंध में पूर्व चेतावनी की जानकारी हेतु पोर्टल, आरसीएमएस पोर्टल में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, साइबर तहसील, स्वामित्व योजना, पीएम किसान संबंधित कार्यो की समीक्षा की गई एवं विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान नर्मदापुरम के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, अपर कलेक्टर डी. के. सिंह, अपर कलेक्टर अनिल जैन, सिटी मजिस्ट्रेट असवनराम चिरावन एवं अधीक्षक भू-अभिलेख देवशंकर धुर्वे उपस्थित रहें।

न. प. सीएमओ ने अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर ग्राम पंचायत में निवासरत गरीब व्यक्ति को थमाया अतिक्रमण हटाने का नोटिस

ग्राम पंचायत खेड़ा का गरीब व्यक्ति नोटिस को लेकर परेशान

बलवंती नदी सौंदरीयकर्ण के नाम पर केवल एक व्यक्ति को नोटिस क्यों अन्य को क्यों नही..... ?

बदनावर- नगर परिषद बदनावर के सीएमओ द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर समीप की ग्राम पंचायत खेड़ा में एक गरीब परिवार को अतिक्रम हटाने का नोटिस देकर अपने पद का दुरुपयोग तो किया बल्कि लोगों को डराने धमकाने का काम किया गया।जबकि नदी के आसपास कई लोगो ने अतिक्रमण कर रखा है और नोटिस केवल एक ही व्यक्ति को क्या भयभीत करने के लिए ग्राम पंचायत खेडा के व्यक्ति को नोटिस दिया है। सीएमओ से नगरीय सीमा से बहार के व्यक्ति को नोटिस देने की बात पूछने पर पहले तो अभिज्ञता जाहिर की बाद मे गोलमोल जवाब दिया।जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत खेड़ा के एक व्यक्ती को नगर परिषद बदनावर के सीएमओ ने 20 जनू 2024 को नोटिस जारी किया गया। जिसमें उसके निवास संबधीत दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नगर परिषद में बुलाया। पत्र.में हवाला दिया कि खेडा व नगर बदनावर जोडने वाली बलवंती नदी का सौन्दर्यीकरण किया जाना है। तीन दिन में भवन संबधित दस्तावेज लेकर उपस्थित हो।नगर पंचायत सीएमओ ने नगर की सीमा से बहार के व्यक्ति को ग्राम पंचायत खेडा के व्यक्ति को नोटिस देकर क्या दिखाना चाहा। बलवंती नदी का सौन्दर्यीकरण किया जाना है किंतु अभी टेंडर भी नहीं हुआ उसके पहले नोटिस देने का ओचित्य क्या.....? आपको बता दे की बलवंती नदी के दोनों किनारे पर 100 से अधिक लोगों ने अतिक्रमण कर कब्जा जमा रखा है। इन लोगों को प्रति नपं का रवैया नरम क्यों ....?100 से अधिक लोगों का कब्जा होने के बावजुद केवल एक ही परिवार जो कि गरीब है उसकों ही नोटिस देने का सीएमओ का क्या उद्देश्य क्या.....?नप. की सीमा में कई मकान बलवंती नदी के किनारे बने है। किंतु नप सीएमओ इनके बचाव में लगे है। डेढ सौ फीट चोडी नदी आज 50 फीट की हो गई है के बावजुद नप. को इसमे अतिक्रमण दिखायी नहीं दिया। नगर पंचायत अधिकारी ने पद का दुरुपयोग कर गरीब परिवार के साथ भेदभाव किया गया। नोटिस मिलने के बाद से ही परिवार के लोग सदमे में है। नगर पंचायत द्वारा द्ववेशता वश नोटिस दिया गया है। सीएमओ ने नोटिस देने के एक दिन उसके घर पर नगर परिषद का एक अधिकारी आया था। जिसमें मकान निर्माण को लेकर मांग की गयी थी। मकान ग्राम पंचायत खेडा की सीमा है। नगर परिषद की सीमा नहीं है। इस पर वह डराने वाले अंदाज चले गए और दूसरे दिन मकान संबधी दस्तावेज को लेकर नोटिस मिला। नोटिस देने वाले कर्मचारी ने मौखिक कहा कि तीन दिन में कागज लेकर नप. में आजाना नहीं मकान तोड देगे। नोटिस मिलने के बाद से ही पूरा परिवार सदमे में है। नगर परिषद सीएमओं ने डराने धमकाने का काम किया है। यदि इस परिवार के किसी सदस्य के साथ कोई घटना या नुकसान होता है तो सारी जिम्मेदारी नगर परिषद की रहेगी।

पंप पर सिगरेट पीने से रोकना पडा मेहगा कुल्हाड़ी से हमला कर किया घायल

बलवाड़ा- पुलिस ने बताया कि संतोष पिता मूलचंद ने शिकायत दर्ज कराई कि वह कुरावद में पेट्रोल पंप पर काम करता है। मंगलवार की सुबह ड्यूटी के दौरान फोन आया और छोटे भाई ने बताया कि पप्पू महादेव की दुकान के सामने मेरे भाई गोविंदा और रामू से अशोक पिता सेवाराम विवाद कर रहा था। अशोक का कहना था कि संतोष - ने मेरे ड्राइवर को पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से क्यों मना किया। संतोष वहां पहुंचा तो अशोक ने गलीगलौज की। गाली देने से मना किया तो अशोक की भाभी बबीताबाई पति दिलीप कुल्हाड़ी लेकर आ गई और मेरे सिर पर वार कर दिया। जिससे मेरे सर से खून बहने लगा। वहां मौजूद भाई गोविंदा और रामू, बबीता से कुल्हाड़ी छुड़ने लगे तभी वहां पर रोहन पिता दिलीप और दिलीप पिता सेवाराम भी आ गया। सभी आरोपियों ने मिलकर मुझसे मारपीट शुरू कर दी। दिलीप ने अपनी पत्नी से कुल्हाड़ी लेकर मेरे सिर पर दो-तीन बार वार कर दिया। सिर पर चोट लगने से खून बहने लगा ओर में वहां चक्कर खा कर गिर गया। इस घटना में बहन साजनबाई पति नारायण निवासी ग्राम पनाली चौकी देशगांव थाना छैगांव माखन भी गंभीर घायल हो गई। जिसे हाथ पैर में चोटे आई है। तभी हम लोगों ने डायल हंड्रेड पर फोन लगाकर पुलिस को बुलाया पुलिस ने घायलों को बलवाडा प्राथ. स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बलवाडा थाने मे रिपोर्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है।

32 मरीज आंखो की रोशनी लेकर लौटेंगे

170 नेत्र रोगियों का किया परीक्षण 32 मरीजों को इंदौर ईलाज हेतु भेजा

बडवानी - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में लायंस क्लब बड़वानी सिटी एवं ज़िला चिकित्सालय बड़वानी के संयुक्त तत्वावधान में 26 जून को नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़वानी ओर आसपास के जिलों से लगभग 170 नेत्र मरीज अपना ईलाज कराने आए। नेत्र विशेषज्ञ डॉ आशीष सेन और नेत्र सहायक रविंद्र टेकाम, नेत्र सहायक अनिल राठौड़, श्री भावसार तथा आयुष डॉक्टर्स की टीम ने मरीजों का परिक्षण किया । लायन सुधीर कुमार पांडे ने बताया कि इस शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत 25 बच्चे भी जिले भर से आए जिनमें जन्मजात विभिन्न नेत्र संबंधित बीमारी थी। उन बच्चों में से 12 बच्चों को भी ईलाज के लिए इंदौर चोइथराम नेत्रालय भेजा गया है। नेत्र शिविर संयोजक लायन महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर भेजा गया है। इन 20 मरीजों को नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण किया जाएगा। साथ ही नेत्र शिविर में आए 12 बच्चों का भी नि:शुल्क ईलाज राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत किया जाएगा। कुछ बच्चों में भी मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए तथा नेत्र की अन्य बीमारी भी होने से ईलाज हेतु भेजा गया है। भेजे गए सबसे छोटा बच्चा 14 माह का और 16 वर्ष तक के बच्चे भेजे गए हैं। 13 बच्चों के पेपर्स पूरे नहीं होने से इंदौर नहीं भेजे जा सके है। उन बच्चों को अगले महीने लगने वाले शिविर में बुलाया गया है।

विशिष्ट संस्थाओं में प्रवेश हेतु आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित

खण्डवा - खंडवा जिले में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित विशिष्ट संस्था कन्या शिक्षा परिसर खेड़ी, रजूर एवं आशापुर (जामनी गुर्जर) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु अनुसूचित जनजाति की छात्राऐ संबंधित संस्था से निर्धारित प्रारूप में आवेदन 15 जुलाई तक प्राप्त कर सकते है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि रिक्त सीटों की पूर्ति हेतु परीक्षा 21 जुलाई को आयोजित की जायेगी। इसके लिए आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित किए गए है। उन्होंने बताया कि प्रवेशित विद्यार्थियों को संस्था में आवास, भोजन, पोषण आहार, पाठ्य पुस्तक, गणवेश आदि सभी सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की जायेगी। प्रवेश हेतु एम.पी. टॉस जनजातीय विभाग के पोर्टल पर आवेदक का हितग्राही प्रोफाईल पंजीकरण होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि प्रवेश हेतु आवेदन संबंधित संस्था के प्राचार्य से प्राप्त कर वहीं जमा किए जा सकते है। आवेदक का चयन परीक्षा में उत्तीर्ण अंकों के आधार पर तैयार मेरिट सूची के आधार पर होगा। आवेदन के साथ विगत कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, स्थायी जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेख संलग्न करना अनिवार्य है।

मक्का में गर्मी से मरे हज यात्री की मौत पर खुशियां मना रहा परिवार, किया बड़ा खुलासा

रियादः सऊदी के पवित्र शहर मक्का में गर्मी और हीट वेव के कारण इस बार 1300 से ज्यादा हज यात्रियों की मौत हो गई वहीं हजारों लोग बीमार हो गए हैं जिनका इलाज चल रहा है। जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारवाले काफी दुखी भी हैं लेकिन एक परिवार ऐसा भी है जो अपने घर के सदस्य की मौतपर खुशी मना रहा है। दरअसल, इन मृतकों में इंडोनेशिया के नगातिजो वोंगसो भी शामिल हैं, जिनकी गर्मी के कारण मक्का में जान चली गई। नगातिजो वोंगसो की मौत की खबर मिलने पर उनकी बेटी का कहना है कि 86 साल के वोंगसो की मौत से परिवार के लोग काफी खुश हैं।

वोंगसो की बेटी हेरू जुमर्टिया कहती हैं कि उनके पिता 17 जून को मक्का में दोपहर की नमाज का

इंतजार कर रहे थे, तभी उनकी मौत हो गई। वह बताती हैं कि मेरे पिता हज पर जाने को लेकर बहुत उत्साहित थे। वह तुरंत ही मक्का जाना चाहते थे। ज यात्रा के दौरान भी वह स्वस्थ थे लेकिन 17 जून को मक्का के दक्षिण-पूर्व में मीना में वह अपने टेंट में मृत पाए गए।

उन्होंने कहा कि वोंगसो की मौत के पीछे परिवार की खुशी वजह है कि हमें उन्हें मक्का में दफनाया गया। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि जब वह हज यात्रा जाएंगी तो अपने पिता की कब्र पर भी जरूर जाएंगी। बता दें कि इंडोनेशिया दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है। मक्का में गर्मी के कारण जान गंवाने वाले लोगों में इंडोनेशिया के भी 125 नागरिक शामिल हैं। सऊदी अरब प्रशासन का कहना है कि इस बार 18 लाख लोग हज यात्रा के लिए आए हैं, जिनमें से 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो गई. ज्यादातर लोगों की मौत का कारण भीषण गर्मी को माना जा रहा है। सीएनएन के मुताबिक हज यात्रियों ने बताया कि सऊदी अरब में भीषण गर्मी के प्रभाव से यात्रियों को बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हज यात्रा के दौरान लोग अचानक बेहोश हो रहे थे।उन्होंने कहा कि घर लौटते समय रास्ते में मैंने कई तीर्थयात्रियों को मरते हुए देखा। लगभग हर कुछ सौ मीटर पर एक शव पड़ा था और उसे सफेद कपड़े से ढका हुआ था।

जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध में ड्यूटी से बचने वाले अधिकारियों को लगाई फटकार

कीवः यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को संकेत दिया कि रूस के साथ युद्ध में अपने कर्तव्य निवर्हन से बचने वाले अधिकारियों से वह सख्ती से पेश आएंगे। जेलेंस्की और सेना प्रमुख ओलेक्संद्र स्यारस्की पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में उन सैनिकों से मिले, जिन्होंने हालिया महीनों में रूस के जोरदार हमलों का मुकाबला किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने स्थानीय अधिकारियों के साथ पेयजल आपूर्ति, सामाजिक मुद्दों, नागरिकों की निकासी योजनाओं और स्थानीय आवासीय इकाइयों के पुनर्निर्माण पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कीव में वह उन अधिकारियों से बात करेंगे जिन्हें यहां और अग्रिम मोर्चे के निकटवर्ती इलाकों में होना चाहिए, जहां लोगों को तत्काल मदद की जरूरत है। जेलेंस्की ने कहा, ''मैं यह जानकर चकित हूं कि कुछ अधिकारी छह माह या इससे अधिक समय से यहां नहीं आये हैं।उन्होंने कहा कि इस बारे में गहन चर्चा की जाएगी और ''मैं

उन्हें उपयुक्त निर्देश दूंगा।जेलेंस्की ने युद्ध के दौरान अग्रिम मोर्चे वाले इलाकों का अकसर दौरा किया है। उन्होंने कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र की उनकी यात्रा का उद्देश्य 'वाइट फोर्सेज कमान के नए कमांडर एंद्रिल हनातोव का परिचय कराना था। हनातोव ने युरी सोदोल की जगह ली है, जो फरवरी 2023 से इस पद पर थे। क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि जेलेंस्की के दौरे से पहले रूसी सैनिकों ने दोनेत्स्क के सेलीदोव शहर पर एक शक्तिशाली बम गिराया जिससे 34 आवासीय इकाइयों, छह बहुमंजिला इमारतों और प्रशासनिक भवनों को व्यापक नुकसान पहुंचा। हालांकि, इन हमलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। क्षेत्र के प्रमुख वादिम फिलस्कीन ने कहा कि पिछले 24 घंटे में, रूसी सेना ने दोनेत्स्क क्षेत्र की 20 बस्तियों पर गोले दागे जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम नौ अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार से करीब 250 लोगों को दोनेत्स्क क्षेत्र स्थित उनके घरों से हटाकर दूसरी जगह भेजा गया है।

अमेरिका में गर्मी से पिघल गया राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का स्टेच्यू, धड़ से अलग हो गया सिर

इंटरनेशनल डेस्कः भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में भीषण गर्मी पड़ रही है। अमेरिका जैसा देश भी इस रिकार्ड तोड़ गर्मी का प्रकोप झेल रहा है। कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। कई रायों के लिए हीटवेव अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। इस चिलमिलाती धूप के बीच वाशिंगटन डीसी से हैरान कर देने वाला मामला सामन आया है। दरअसल, यहां एक स्कूल के पास अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का 6 फुट ऊंचा मोम का स्टेयू भीषण गर्मी से पूरी तरह पिघल गया। बता दें कि उत्तर-पश्चिमी वाशिंगटन में तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है जिसके कारण लिंकन की यह प्रतिमा शनिवार को पिघल गई।

अब सोशल मीडिया पर लिकंन की पिघले हुए स्टेयू की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि लिंकन के स्टेयू का सिर और दाहिना पैर पूरी तरह से पिघल गया है। वहीं, पैर धड़ से अलग हो गए हैं।

24 जून को शेयर की गई इस तस्वीर को 14.5 मिलियन बार देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्जीनिया के कलाकार सैंडी विलियम्स ढ्ढङ्क ने फरवरी में गैरीसन एलिमेंट्री स्कूल के मैदान में कैंप बार्कर के ऐतिहासिक स्थल पर मोम की मूर्ति स्थापित की थी। यह मूर्ति कलाकार विलियम्स IV की द वैक्स मॉन्यूमेंट सीरीज़ का हिस्सा है।

नेपाल में मानसून का कोहराम, बाढ़ बारिश और भूस्खलन से 14 की मौत

इंटरनेशनल डेस्कः नेपाल में मानसून ने कोहराम मचा रखा है। देश में पिछले 24 घंटों में तेज बारिश की वजह से हुए भूस्खलन और बाढ़ के चलते कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है। वहीं कई लोग घायल हो गए हैं। नेपाल में गृह मंत्रालय के अधीन नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरएमए) से मिली जानकारी के मुताबिक 14 लोगों में से आठ लोग भूस्खलन , जबकि पांच लोग बिजली गिरने और एक व्यक्ति की बाढ़ की वजह से मौत हो गई है।

एनडीआरएमए के प्रवक्ता दीजन भट्टाराई ने बताया कि उन्होंने 26 जून को कुल 44 घटनाएं दर्ज की,

जिसमें से 14 लोगों की जान चली गई। वहीं घटना में 2 लोग अभी भी लापता हैं जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। नेपाल गृह मंत्रालय के रिकॉर्ड के अनुसार देश में मानसून के सक्रिय होने के बाद से 33 जिले प्रभावित हुए हैं, जिसमें 147 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

निशा केजरीवाल हत्याकांड में लॉ स्टूडेंट को उम्रकैद

महिला के चेहरे पर हथौड़े और चाकू से किए थे 13 वार

उत्तर प्रदेश के कानपुर की एक अदालत ने सात साल पहले अपने पड़ोसी की हत्या के लिए 26 वर्षीय युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 52 वर्षीय निशा केजरीवाल का शव 12 जुलाई, 2017 को उनके घर के अंदर मिला था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए निशा के पड़ोसी आदित्य नारायण सिंह (तत्कालीन 19 वर्षीय) की मौजूदगी का पता लगाने में सफल रही।

लॉ स्टूडेंट ने लूटपाट के लिए की थी महिला की हत्या

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह पता चला कि उसने लूटपाट के लिए महिला की हत्या की थी। निशा केजरीवाल घर पर अकेली थीं, जब आदित्य सिंह ने

हमला किया, क्योंकि उनके पति और बेटा अपनी दुकान पर थे और उनकी बेटी स्कूल गई हुई थी। दोषी के केजरीवाल के साथ दोस्ताना संबंध थे और वह घर के हर सदस्य की दिनचर्या से अच्छी तरह वाकिफ था। पुलिस ने जांच के दौरान आदित्य के घर से सोने और चांदी के गहने और 1.4 लाख रुपये नकद बरामद किए थे।

आदित्य ने महिला के चेहरे पर हथौड़े और चाकू से किए थे 13 वार

कानपुर पुलिस ने बताया कि हत्या से पहले आदित्य तीन साल तक मुंबई में रहा था। उसने छ्रख्न पास कर लिया था और केवल पहले सेमेस्टर के लिए स्क्क की पढ़ाई की थी, क्योंकि उसे उसकी बुरी आदतो के कारण कॉलेज से निकाल दिया गया था। आरोपी के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए, अतिरिक्त जिला सरकारी वकील विनोद त्रिपाठी ने कहा कि उसने एक जघन्य अपराध किया था और पीड़ित के चेहरे पर हथौड़े और चाकू से 13 वार किए थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आज़ाद सिंह ने पाया कि जांच अधिकारी राजन कुमार रावत ने कई गलतियाँ की थीं और अदालत के आदेश की एक प्रति पुलिस आयुक्त को उचित कार्रवाई के लिए भेजने का निर्देश दिया।

सीबीआई हिरासत में अरविंद केजरीवाल ने मांगी गीता, घर का बना खाना और बेल्ट!

नेशनल डेस्कः दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में बुधवार को तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की हिरासत जांच एजेंसी को देते हुए हिरासत अवधि के दौरान कुछ रियायतों के उनके अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया। हिरासत के दौरान, केजरीवाल को अपना चश्मा बरकरार रखने, निर्धारित दवाएं लेने, घर का बना खाना खाने, भगवद गीता की एक प्रति रखने और अपनी पत्नी और रिश्तेदारों से रोजाना एक घंटे मिलने की अनुमति होगी।

इसके अलावा केजरीवाल का एक और अनुरोध था। मुख्यमंत्री ने विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत को बताया कि जब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय द्वारा

दायर मामले में जेल भेजा गया, तो वह अपनी जरूरत की वस्तुओं की सूची में अपनी बेल्ट का उल्लेख करना भूल गए। केजरीवाल ने बताया कि चूंकि उनकी बेल्ट ले ली गई थी, इसलिए उन्हें तिहाड़ जेल जाते समय अपनी पैंट पकड़नी पड़ी, जो उन्हें शर्मनाक लगा। अदालत ने केजरीवाल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। 29 जून को शाम 7 बजे तक केजरीवाल को कोर्ट में पेश किया जाएगा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल को बुधवार को सीबीआई ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया।

अमेरिकी राजदूत गार्सेटी का दावा- मोदी 3.0 होगा फायदेमंद साबित

US एवं भारत कई क्षेत्रों में करेंगे प्रगति

वाशिंगटनः अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान जब महत्वाकांक्षी भारत और महत्वाकांक्षी अमेरिका मिलकर काम करेंगे तब रक्षा साझेदारी, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों और आर्थिक समृद्धि में और अधिक प्रगति हासिल की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (हृष्ठ) को उनकी जीत के लिए बधाई देते हुए गार्सेटी ने कहा कि मोदी 3.0 द्विपक्षीय संबंधों के सपनों को वास्तविकता में बदलने का समय है।

गार्सेटी को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि मोदी 3.0 हमारे लिए अपने सपनों को साकार करने का समय है। भारत में हाल में हुए आम चुनावों के बाद बाइडेन प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दिया गया यह पहला साक्षात्कार है। लोकसभा चुनावों के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में आए हैं। गार्सेटी ने कहा, चाहे वह काम हो जिसे हम अपनी रक्षा साझेदारी में साथ मिलकर कर रहे हैं, चाहे वह हमारी महत्वपूर्ण उभरती हुई प्रौद्योगिकियां हों, या फिर वह काम हो जिसे हम आर्थिक समृद्धि के लिए कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मोदी 3.0 में ये तीन चीजें हासिल करने के लिए हम एक महत्वाकांक्षी भारत को एक महत्वाकांक्षी अमेरिका के साथ काम करते हुए देख सकते हैं।

उन्होंने कहा, मेरी राय में 3.0 इस बारे में है कि हम अमेरिका और भारत के बीच किस तरह का रिश्ता बनाते हैं जो न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी अछा हो सकता है। यह दुनिया को दिखा सकता है कि लोकतंत्र तानाशाही से बेहतर है और एक स्वतंत्र और बाधामुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र हर इंसान के लिए फायदेमंद है। हाल ही में भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर एक वर्ष पूरा करने वाले गार्सेटी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान, हमने एक राजकीय यात्रा देखी, जी-20 के दौरान राष्ट्रपति की यात्रा देखी तथा विभिन्न क्षेत्रों में 150 से अधिक समझौते हुए। लॉस एंजिलिस शहर के 53 वर्षीय पूर्व मेयर ने कहा, चाहे वह अंतरिक्ष में हो, चाहे वह स्वास्थ्य में हो, चाहे वह रक्षा में हो, चाहे वह व्यापार में हो, हमने पिछले मुद्दों को हल किया और अपनी महत्वाकांक्षाओं के साथ वास्तव में आगे बढ़े। राष्ट्रपति जो बाइडन के करीबी, भरोसेमंद गार्सेटी वर्तमान में

सेलेक्ट [illegible] समिट में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी में हैं, जिसमें भारत का प्रतिनिधिमंडल सबसे बड़ा है। वह सात वर्षों में पहली बार आयोजित होने वाले 'यूएस-इंडिया एविएशन समिट को भी संबोधित करेंगे। भारत के चुनावों पर एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, सबसे पहले, यह कितना प्रभावशाली चुनाव था जिसमें 140 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव को सुनिश्चित करने के लिए जो व्यवस्था, सुरक्षा और कार्य किए गए, उन्हें देखना अद्भुत था। उन्होंने कहा, दूसरा, चुनाव लोगों के अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग करने के बारे में है। यह देखना हमारे लिए अद्भुत था। हम दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और गठबंधन को उनकी जीत के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से नेताओं का एक समूह है, जिन्हें हम अछी तरह से जानते हैं, जिनका हम सम्मान करते हैं और जिनके साथ हम अविश्वसनीय रूप से अछी तरह से काम करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569